PUBLISHING DATE 07-08, E. Month • R.N.I No. DELHIN/2002/6536

टोबैको प्लस

/tobaccoplusindia

अंक 2 • मई 2026 • वर्ष 25 • मूल्य 100 रूपये | सम्पूर्ण पान मसाला एवं सुगंध उद्योग की अपनी पत्रिका

Ready to Unlock?

Pan Masala & Zarda Secrets

Pan Masala & Zarda Secrets

The Formula Behind Every Successful Blend.

The pan masala and zarda industry runs on legacy, exclusivity, and cultural power. But here's the truth: entering it is nearly impossible without one thing—the compound.

For decades, industry giants have guarded their blends like crown jewels. Newcomers aren't shut out by demand, but by mystery—the blend itself, an art, a science, and a fiercely protected secret.

Until now.

Through years of research and reverse-engineeri we've cracked the code. We can replicate any market-leading product with 90%+ accuracy—ar more importantly, craft exclusive, one-of-a-kind formulations aligned with your brand vision.

Unlike typical flavour houses that reuse the same compounds, we sell each formulation just once. One recipe. One brand. One market leader—you.

This isn't just flavour. It's the soul of your brand—tl essence that turns products into legends.

If you have the ambition, we hold the key. Because in this business, what's in the blend builds the brand.

The Secret Awaits

The Secret is out and it's finally yours to own...

We've cracked the guarded formula behind Pan Masala & Zarda.

90%+Accurate
Matching & Custom Formulations

Exclusivity Guaranteed
Sold Once, Never Repeated

Custom Formulations
Exclusive Formulations Tailored to Your Brand

Full Blueprint Ownership
Source Freely, Stay Independent

The Secret Compound
Heart of Pan Masala & Zarda

Precision Engineering
Cracking the Code with Precision Research

Direct Access to the Formula **92658 09900**

DHARAMPAL PREMCHAND LIMITED

BABA®
Quality. Since 1929.
NAURATAN™
ELAICHI
SWEET & AROMATIC

SILVER COATED
FLAVOURED CARDAMOM SEEDS

BABA NAURATAN ELAICHI CONTAINS AN ADMIXTURE OF SODIUM SACCHARIN (INS 954(iv)), SUCRALOSE (INS 955) AND NEOTAME (INS 961).
NOT RECOMMENDED FOR CHILDREN. CONTAINS NON CALORIC SWEETENERS.
DHARAMPAL PREMCHAND LTD. | PH.: 1800-180-1929 (TOLL FREE) | E-MAIL: FEEDBACK@BABA.IN | WEBSITE: WWW.BABA.IN

ESTD. GOPAL® 1942
GROUP
खास है...
इसमें कुछ बात है
GOPAL®
132
ELAICHI
This contains SACCHARINS.
Not recommended for children.

SHIVARAJ GROUP

"विरासत का स्वाद, आज भी ज़माने की पसंद"

चमन बहार

Mfd. by: **SHIVARAJ AND COMPANY** | Customer Care No.: **+91 8904606060; 9105999967** | Email: shivarajandcompany@gmail.com

35 YEARS
ऊँचे लोग,
ऊँची पसंद®
PREMIUM
RMD®
PAN MASALA
Formulation by:
Rasiklal Manikchand Dhariwal
ऊँचे लोग, ऊँची पसंद®
CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH
MRP
₹15
3.5g
MRP
₹10
2g
बड़ी जीत, ऊँची पहचान
वैधानिक चेतावनी: पान मसाले का सेवन स्वास्थ्य के
लिये हानिकारक है। नाबालिगों के लिये प्रतिबंधित।
NO TOBACCO,
NO NICOTINE
Tiger

Website
SINCE 1946
R. A. GROUP
TRUSTED BY GENERATIONS
SINCE 1946
SIGNAL
Rejuvenating flavours, consistent quality
- Tested by time, loved by generations...
SIGNAL 1191
SIGNAL 099
SIGNAL 163
SIGNAL 350
SIGNAL 164
SIGNAL 055
SIGNAL 033
75+
Years Of
Trust & Excellence
SIGNAL KIMAM
Tobacco & Nicotine
Free Kimam
R. A. Perfumery Works Pvt. Ltd.
A Govt. of India Recognized Star Export House
78, Madan Mohan Burman St, Kolkata, 700007
Email : info@rapsignal.com Phone: +91 9051540406 , +91 33 40074712

/tobaccoplusindia
www.tobaccoplusindia.com

सम्पूर्ण तंबाकू एवं सुगंध उद्योग की अपनी पत्रिका

टोबैको प्लस

• अंक 2 • मई 2026 • वर्ष 25 • मूल्य 100 रूपये

सम्पादक	:	एम. ए. फारुकी
प्रबंध सम्पादक	:	फरीद आसिम फारुकी
सहायक सम्पादक	:	नीरज शर्मा
उप सम्पादक	:	शोभना द्विवेदी, निगार
ब्यूरो प्रमुख	:	प्रवीण शर्मा
विज्ञापन प्रबंधक	:	विजय अग्रवाल
उत्तर प्रदेश ब्यूरो प्रमुख	:	अनुज मिश्रा
गुजरात ब्यूरो प्रमुख	:	नरेन्द्र कुमार शर्मा
नोर्थ ईस्ट ब्यूरो प्रमुख	:	उमाशंकर सिंह
छत्तीसगढ़ ब्यूरो प्रमुख	:	विजय गोवानी
कानपुर संवाददाता	:	अनुज मिश्रा
विशेष संवाददाता		
ग्वालियर	:	अवधेश गुप्ता
इलाहाबाद	:	एस.के श्रीवास्तव, खालिद
भीलवाड़ा	:	प्रेम दरियानी
जयपुर	:	रविकान्त इंडोपिया
सहारनपुर	:	पंकज गोयल
सूरत	:	आसिफ खान
आर्ट डायरेक्टर	:	उमेश अग्रवाल

सम्पादक प्रकाशक एवं प्रिंटर्स :

एम. आरिफ फारुकी ने **अनस कम्यूनिकेशन प्रा. लि.** के लिए बी–117, द्वितीय तल, जोशी कालोनी, आई पी एक्सटेंशन, नई दिल्ली–92 से प्रकाशित तथा **क्रिएटिव आफॅसेट प्रेस**, 131, एफआईई, पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली–92 से मुद्रित।

दिल्ली कार्यालय :

अनस कम्यूनिकेशन प्रा. लि.,
बी–117, द्वितीय तल, जोशी कालोनी, आई पी एक्सटेंशन, नई दिल्ली–92

Mobile: 9873766789, 9999431555, Ph.: 011-22231979; 65705666
e-mail : tobaccoplusm@gmail.com

www.tobaccoplusindia.com

लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं।
पत्रिका के सभी विवादों के वादों का निपटारा दिल्ली में होगा।

प्रकाशन के 24 वर्ष

उद्योग की बात

ए.फारुकी

दूरगामी असर

पान मसाला पैकिंग मशीनों पर वास्तविक उत्पादन के बजाय, मशीन की 'अनुमानित' या 'काल्पनिक' उत्पादन क्षमता के आधार पर मनमाने शुल्क वसूली पर राजस्थान हाईकोर्ट का हथौड़ा चलना न केवल कानूनी दृष्टि से बल्कि पूरे उद्योग के भविष्य से जुड़ा एक बेहद महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने आदेश में पान मसाला पैकिंग मशीनों पर 1 फरवरी 2026 से लागू क्षमता-आधारित नई सेस व्यवस्था में अंतरिम राहत देते हुए केंद्र सरकार व संबंधित विभागों को नोटिस जारी किया है और मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई 2026 को निर्धारित की गई है। यह मामला न केवल कानूनी बल्कि पूरे उद्योग के भविष्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। ऐसा इसलिए कि तंबाकू और पान मसाला निर्माण इकाइयों पर सेस मशीनों की उत्पादन क्षमता के आधार पर निर्धारित की जाती है। भले ही वास्तविक उत्पादन उससे कम ही क्यों न हो। कर निर्धारण की यह व्यवस्था कत्तई व्यवहारिक नहीं है। मशीन की क्षमता नहीं, वास्तविकता देखी जानी चाहिए क्योंकि मशीन की पूरी क्षमता का उपयोग हमेशा संभव नहीं होता। बाजार की मांग, कच्चे माल की उपलब्धता और संचालन लागत जैसे कारक भी उत्पादन को प्रभावित करते हैं। जबकि उद्योग व्यवहारिकता और निष्पक्षता की मांग कर रहा है। टैक्स की उच्च दरें, सख्त नियामक ढांचा और बढ़ती कच्चे माल की लागत जैसी तमाम चुनौतियों का सामना कर रहे उद्योग के लिए राजस्थान हाईकोर्ट से मिली यह अंतरिम राहत भोर की ठंडी बयार जैसी शीतलता प्रदान करने वाला है। आगे यदि कोर्ट सकारात्मक निर्णय देता है, तो यह पूरे उद्योग के लिए एक बड़ी राहत साबित हो सकता है। आने वाला फैसला यह तय करेगा कि भारत में तंबाकू और पान मसाला उद्योग किस दिशा में आगे बढ़ेगा। क्षमता के काल्पनिक अनुमान पर या वास्तविक उत्पादन के आधार पर। मशीनें तकनीकी रूप से 1000 पाउच प्रति मिनट की गति पर लगातार नहीं चल सकतीं जबकि कर निर्धारण इसी आधार पर कर दिया गया है। ऐसे में हाईकोर्ट के इस अंतरिम आदेश से इस मनमानी प्रणाली को चुनौती देने का रास्ता खुल गया है।

Madhuri®
PAN CHATNI
शानदार पान की पहचान

For trade enquiry E-mail: meenakshi.stores@yahoo.com
FOUR SEASONS FLAVOURS CO.

ZEN
ज़ेन
मज़ा®
स्वादपूर्ण ठंण्डा सौंफ़
स्वाद, सुगंध का असली मज़ा
ZEN Mazaa 108 FLAVOURED COOL SAUNF
ज़ेन मज़ा®
१०८®
स्वादपूर्ण ठंण्डा सौंफ़
Mazaa FLAVOURED SAUNF 55®
ZEN Mazaa® FLAVOURED SAUNF
55®
FLAVORED COOL SAUNF
ZEN Mazaa 88
ZEN Mazaa® FLAVOURED SAUNF
88®
FLAVORED COOL SAUNF
88® 55® 108®
उत्पादक : झेन टोबेको प्रा. लि., अहमदाबाद ; फ़ोन : 079-2685 7428 / 7382

DS GROUP

Create what is Worth Creating

IT'S WHAT WE MAKE
THAT MAKES US

OVINO | chingles | PASS PASS | Catch | Rajnigandha Silver Pearls | BIRTHRIGHT | Tulsi ROYAL KHAJOOR PLUS

GOLMOL | LuvIt. | Rajnigandha | PULSE | Ksheer | NAMAH | Piñata

Rajnigandha Silver Pearls contains admixture of Sodium Saccharin (INS No.954), Sucralose (INS No.955), Steviol Glycoside (INS No.960), and Neotame (INS No.961). NOT RECOMMENDED FOR CHILDREN

RAJNIGANDHA SILVER PEARLS CONTAINS NON CALORIC SWEETENERS.

THIS CONTAINS AN ADMIXTURE OF SUCRALOSE (INS No. 955), STEVIOL GLYCOSIDE (INS No. 960) AND SODIUM SACCHARIN (INS No. 954). NOT RECOMMENDED FOR CHILDREN.

TULSI ROYAL KHAJOOR PLUS CONTAINS NON CALORIC SWEETENERS.

CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH

दिल से दिलबाग
दिलबाग
प्लस
पान मसाला
दिलबाग
प्लस
पान मसाला
superb taste... real action...
0% NICOTINE
0% TOBACCO
CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH.
NOT FOR MINORS

दिल है तो जोश है...
दिलबारा
MAHA PACK
दिलबारा
रॉयल
पान मसाला
0% NICOTINE
0% TOBACCO
CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH.
NOT FOR MINORS

SOURCED DIRECTLY FROM INDONESIAN FARMS

EXPERIENCE THE FINEST PATCHOULI OILS

PATCHOULI OIL 30 LIGHT/DARK

PATCHOULI OIL 32 LIGHT/DARK

PATCHOULI OIL (IRON FREE)

PATCHOULI SELECT

PATCHOULI STANDARD LIGHT/DARK

PATCHOULI TERPENES

ikta Ikta Aromatics Ltd.
The creator of AROMA Jewels
Essential Oils | Carrier Oils| Fragrances | Flavors |Aroma Chemicals

Corp. Office: 152, Patparganj Industrial Estate, Delhi-110092, India.
Email:sales@iktaaromatics.in | rnd@iktaaromatics.in
www.iktaaromatics.com

BETTER THAN THE BEST
Kamyaabi ke liye... Shanti
FOLD TWICE FROM HERE TO LOCK
BETTER THAN THE BEST
SHANTI®
SILVER
SAFFRON BLENDED
ELAICHI
A Quality Product of SHANTI GROUP

High Street IMPEX LLP
افضل
AFZAL
PREMIUM QUALITY TOBACCO
SUN OUTSIDE, CHILL INSIDE,
MOJITO FLAVOURS YOUR SUMMER RIDE
Mojito flavours that make every puff a pleasure
BEST SHEESHA EXPERIENCE
Marbella
موهيتو فراولة
STRAWBERRY MOJITO
موهيتو بطيخ
WATERMELON MOJITO
كلاسيك ماربيلا
CLASSIC MARBELLA
موهيتو ليتشي
LYCHEE MOJITO
موهيتو عنب
GRAPE MOJITO
AFZALINDIAOFFICIAL
SCAN TO FOLLOW US FOR LATEST UPDATE
Available in 50g, 250g & 1 Kg
Call 9930830000 and ask us OR write to us at sales@highstreetimpex.com
Follow us on : /afzalindiaofficial
SCAN TO DOWNLOAD FOR FLAVOUR CHART

AFZALINDIAOFFICIAL
SCAN TO FOLLOW US FOR LATEST UPDATE

Available in 250 GM & 1 KG Packing
Coal Size : Cube & Flat

Call 9930830000 and ask us OR write to us at sales@highstreetimpex.com
Follow us on : /afzalindiaofficial

SCAN TO DOWNLOAD FOR FLAVOUR CHART

सलाहकार मंडल

श्री किशन लालवानी
विष्णू एंड कंपनी

श्री फौज़ान मलिक
एस मोहम्मदअयूब मोहम्मद याकूब
परफ्यूमर्स, कन्नौज

श्री संजय डी घोड़ावत
चैयरमेन,
घोड़ावत इंडस्ट्रीज (इं.) प्रा.लि.

श्री ललित अरोड़ा
निदेशक
क्लासिक एरोमेटिक्स प्रा.लि.
दिल्ली

श्री सुनील अग्रवाल
गिर्राज सुपारी ट्रेडर्स
मथुरा

श्री अरूण जोशी
सीएमडी
राज ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज

श्रीमती रिचा शुक्ला
निदेशक
शिवराज एंड संस, मुरादाबाद

श्री अनिल गुप्ता
अध्यक्ष, खाद्य तंबाकू उद्योग
तथा कृषक महासंघ

श्री मृणाल नाइक
सीईओ एंड एम डी
इम्पीरियल फ्रैगरेन्सेस एंड
फ्लेवर्स, कोलकाता

श्री पम्पी जैन,
प्रगति अरोमा ऑयल डिस्ट्रिलर्स
प्रा0 लि0

श्री के के मिश्र
भूतपूर्व सदस्य, टोबैको बोर्ड
भारत सरकार

श्री ए.के. मिश्रा (राम मिश्रा)
बैकुंठ नारायण एंड संस, कन्नौज

श्री राम दीक्षित,
पं.चन्द्रबली एंड संस

श्री कैलाश केसरवानी
केसरवानी जर्दा भंडार

श्री भरत अरोरा
साची फ्रैगरेन्सेस
एंड कैमिकल्स लि.

श्री सुखदेव शुक्ला
यूनाइटेड परफ्यूमर्स
कानपुर

श्री हरीम अहमद अंसारी
एचआरए एसेंशियल
आयॅल फैक्ट्ररी, कन्नौज

श्री मो0 फारूक़
यू संस, लखनऊ

श्री एस.के. गोयल
बॉम्बे परफ्यूमरी ओवरसीज
दिल्ली

श्री राकेश पाठक
निदेशक,
मुन्नालाल एंड संस, कन्नौज

मौहम्मद फुरकान
प्रबंध निदेशक
मौ.यासीन मौ. यामीन, कन्नौज

श्री आलोक कुमार
हिना परफ्यूमर्स, बरेली

श्री कैलाश जैन भारती
अरिहंत इंड्रस्टीज, लखनऊ

श्री प्रदीप कुमार तिवारी
निदेशक, वंदना प्रोडक्टस
कन्नौज

तल्हा ए.
निदेशक,
वाई एस टी फ्रैगरेन्सेस
मुम्बई

श्री संदीप सिंह
राज ब्रदर्स, हसायन

श्री सलीम सौदागर
फ्रैंडस जर्दा स्टोर
नांदेड

श्री ब्रजेश रानियावाला
पी बी होलोटेक, कोलकाता

श्री ऋषि सूरी
निदेशक
आर एस फ्रैगरेन्सेस
इंटरनेशनल प्रा.लि.

श्री कुशाग्र पाठक
निदेशक
पाठक परफ्यूमर्स,
कानपुर

CONTENTS

May, 2026

आरएमडी नये सिरे से होगा लांच pg30

उद्योग के पक्ष में हाईकोर्ट का अंतरिम निर्णय pg44

नए ब्रांड्स के लिए अवसर और रणनीति pg56

अरोमा उद्योग का महाकुंभ: वर्ल्ड अरोमा एक्सपो 2026 की झलक pg68

नेचुरल का बोलबाला था, है और रहेगा: योगेश दुबे pg72

सहारनपुर मार्केट रिपोर्ट pg94

सतारा का पॉकेट फ्रेंडली बुआ पान शॉप pg108

M/s. YST Fragrances Private Limited

Office No. 110 / 111, 1st Floor, Shoppers Point (Above Moti Mahal Restaurant),
Opp. Andheri (W) Railway Station, S. V. Road, Andheri (West), Mumbai - 400 058
T: + 91 22 66993513 / 14 • F: + 91 22 67102896
Mr. Talha A. M: + 91 98201 87263
E: talha@ystfragrances.com

MASCHMEIJER AROMATICS INDIA PVT LTD

A LEGACY OF 60+ YEARS OF MUSKS AND UNFORGETTABLE SCENTS

GOLD STANDARD IN MUSKS WITH UNMATCHED PERFORMANCE

MUSK AMBRETTE,MUSK KETONE,MUSK XYLOL

Flavors & Unique Compounds for Zarda, Khaini, Gutkha, Paan

Fragrances for soaps, detergent, cosmetics, agarbathi, etc

Flavors and Essences for Bread, Biscuit, Confectionary, Ice Cream.

INDIA | GERMANY | DUBAI | SAUDI ARABIA | QATAR

MASCHMEIJER AROMATICS INDIA PVT LIMITED.
3 G.S.T ROAD, CHROMEPETCHENNAI 600044.INDIA.

PH: + 91-9444389959
Email: smshajahan@maschmeijer.com ; contact@maschmeijer.com

Mr. Neaz(DELHI MANAGER)
PH:+919891358354, 8920455360
Email: neaz1975@yahoo.com

केसर-युक्त
विमल
Elaichi
बोलो ज़ुबां केसरी
दिखाये गये उत्पाद के एक प्रकार में कैलोरी जागरुकों के लिए कृत्रिम मिठास सोडियम सैकरिन (INS 954), सूक्रेलोस (INS 955) व नियोटेम (INS 961) मिली हुई है। बच्चों के लिए प्रस्तावित नहीं।

MYKIK

FILTER

FOR BUSINESS & DISTRIBUTION

CALL +91 96256 96653

E-MAIL : info@gtccorp.in

FIROZZA

PREMIUM

PAN MASALA

Swaad ka Anmol Ratan

CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH | NOT FOR MINORS

(NO TOBACCO NO NICOTINE)

FOR BUSINESS & DISTRIBUTION

CALL +91 96256 96653

E-MAIL : firozzapanmasala@gmail.com

BOMBAY PERFUMERY OVERSEAS

Sister Concern:

BOMBAY PERFUMERY CO.

MANUFACTURERS OF

PERFUMERY COMPOUNDS FOR INDUSTRIAL USE

UNIQUE COMPOUNDS FOR

ZARDA, KHAINI, PAN MASALA, SOAPS, DETERGENT, COSMETICS & AGARBATTI

FOR TRADE ENQUIRY: MOB. 8130873254 (S.K. GOEL) ; OFFICE: 011-43024591

HEAD OFFICE: 414A, INTERNATIONAL TRADE TOWER, NEHRU PLACE, NEW DELHI-110019

Email: bombayperfumeryoverseas@gmail.com

95 YEARS OF EXCELLENCE

BANSHIDHAR GROUP

Secure Your Product With Consistency & Trust

LIFE MEMBER
GCCI
GUJARAT CHAMBER OF COMMERCE & INDUSTRY

Ested 1931
BTPL
BANSHIDHAR TOBACCO (P) LTD.

Connect for Business Inquiries : 011-41010000 ; 40184018

info@banshidhar.com | www.banshidhar.com

स्वाद का सितारा, कांतारा.!

कांतारा 555™ पान मसाला | ಕಾಂತಾರ 555™ ಪಾನ ಮಸಾಲಾ

Mfgd By: Ghodawat Fresheners LLP

Post - Kotagondahunshi (Hubli) / Mankapur - (Chikkodi) Karnataka. E-mail: suhsur@gmail.com

For Trade inquiry Mob.: 095525 72564, 098440 55085.

0% Nicotine & Tobacco

Statutory Warning: Chewing of Pan Masala is injurious to Health. Not for Minors.

INSPIRED by Nature!

NOREX 30 YEARS OF EXCELLENCE

*Contact us for the range of compounds for **Paan Masala, Mouth Freshener & Chewing Tobacco***

NOREX FLAVOURS PRIVATE LIMITED

FLAVOURS | FRAGRANCES | ESSENTIAL OILS | MINT PRODUCTS

Gajraula Chandpur Road -Mandi Dhanaura -244231 Distt Amroha U.P. India
Tel: +91-5924-273095/ 273241 Fax: +91-5925-273328/ 275318
Contact Sales @ +91- 7055201570 / 7060297400 Email: sales@norex.in

www.**norex**.in

Madhu®

Pan Masala

कुछ तो इसमें खास है

उत्तम क्वालिटी, बेमिसाल स्वाद!

CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH.NOT FOR MINORS.NO TOBACCO. NO NICOTINE

Rich Aromas

Importing Since 1975 | 50 Years of Legacy

Essential Oils | Absolutes | Resinoids | Perfumery Compounds

Nature's finest, artfully distilled.

Jasmine | Rose | Tuberose | Kewra | Musk
Amyris Oil | Vetiver Oil

Founder:
Late Shri Lalit Amarnath Vigh

Director:
Parichay Vigh

Our Location
A-302, Fairlink Center,
Off New Link Road,
Andheri West, Mumbai

Contact Us:
+91 98201 06589
richaromas1@gmail.com
www.richaromas.in

आरएमडी नये सिरे से होगा लांच

ऊंचे लोग, ऊंची पसंद टैग के साथ आरएमडी सुपर प्रीमियम श्रेणी का पान मसाला है। माणिक चंद समूह का यह बेहतरीन उत्पाद अपनी लांचिंग के समय से ही अच्छी पोजिशन में है। एक्सपोर्ट क्वालिटी का यह उत्पाद अन्य ब्रांडों की तुलना में थोड़ा महंगा लग सकता है लेकिन क्वालिटी के लिहाज से बेहतरीन उत्पाद है। कर्नाटक में कई दशकों से आरएमडी का बेहद मजबूत मार्केट है। कर्नाटक व गुजरात इसके नंबर वन मंडी हैं। इसके अलावा दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना आदि में भी इसकी उपस्थिति है लेकिन कंपनी आधे-अधूरे मन से ही इन राज्यों में काम करती प्रतीत होती है। अब लखनऊ व बनारस से आरएमडी 10 रुपये में दो ग्राम और 15 रुपये में 3.5 ग्राम में बड़े पैमाने पर लांच करने जा रही है। देश के अलावा आरएमडी की विदेशों में भी अच्छी बिक्री है। विश्व के कई देशों में इसका एक्सपोर्ट होता है। टोबैको प्लस के मार्केट सर्वे के दौरान मार्केट जानकारों ने जो बताया उसके अनुसार नई टैक्सेशन प्रणाली का फायदा आरएमडी को भी मिलने की उम्मीद है।

रजनीगंधा की बिक्री में इज़ाफा

देश के सबसे पुराने प्रीमियम ब्रांडों में शुमार रजनीगंधा को नये टैक्सेशन का भरपूर लाभ मिलता दिखाई दे रहा है। इसकी बिक्री में 10 से 15 प्रतिशत तक का इज़ाफा हुआ है। नई कर प्रणाली लागू होने से पहले विभिन्न ब्रांड अधिक मात्रा में मसाले प्रोवाइड करा रहे थे लेकिन सेस के नये नियम व वजन प्रणाली पर सरकारी अंकुश लगने के कारण क्वांटिटी का खेल खत्म हो गया है। इसका सीधा लाभ रजनीगंधा को मिला है। मार्केट सर्वे के दौरान जानकारों ने टोबैको प्लस को बताया कि मार्च महीने के अंत तक रजनीगंधा की बिक्री में 10-15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बिक्री में बढ़ोत्तरी का दूसरा कारण रजनीगंधा की भरपूर सप्लाई भी है। प्रीमियम क्वालिटी में रजनीगंधा निर्विवाद रूप से नंबर एक की कुर्सी पर विराजमान है। इसकी क्वालिटी व स्वाद ने वर्षों से ग्राहकों को अपना दीवाना बना रखा है। इसके स्वाद के दीवाने किसी और उत्पाद की तरफ आंख उठाकर भी नहीं देखते। यही वजह है कि हर शहर के प्रत्येक पान शॉप पर रजनीगंधा की मज़बूत उपस्थिति है। पहले से ही प्रीमियम मार्केट में नंबर एक की कुर्सी पर विराजमान रजनीगंधा को अब नये कर ढांचा का लाभ भी मिल रहा है।

डायरेक्टर की कटिंग में तेज़ी

टीआरडीपी समूह के प्रीमियम ब्रांड डायरेक्टर चौतरफा बढ़त पर है। नई कर प्रणाली लागू होने के बाद जबकि तमाम ब्रांडों की सप्लाई शॉर्ट चल रही है ऐसे में डायरेक्टर ने सप्लाई पर विशेष ध्यान दिया है। मार्केट में उपलब्धता का लाभ डायरेक्टर को मिल रहा है। नतीजा, डायरेक्टर की बिक्री में अच्छा खासा इज़ाफा हुआ है। बेहतरीन स्वाद व क्वालिटी की वजह से कंज्यूमर इसे पसंद कर रहे हैं। झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बंगाल, असम के गुवाहाटी और कर्नाटक में इसकी कटिंग में तेजी है। जोड़ी में 10 रुपये की एमआरपी में होने के कारण यह तेजी से पिकअप पकड़ रहा है। मार्केट सर्वे के दौरान लोगों ने टोबैको प्लस को बताया कि क्वालिटी, फ्लेवर व स्वाद के लिहाज से यह बेहद दमदार उत्पाद है। इसे कंपनी की प्रचार-प्रसार व डिस्ट्रीब्यूशन नीति का लाभ मिला है। मध्य प्रदेश के महाकौशल में भी इसे अच्छी कटिंग मिल रही है। पंजाब में भी मजबूत मार्केट नेटवर्क का लाभ डायरेक्टर को मिल रहा है।

DHARAMPAL PREMCHAND LIMITED

BABA®
Quality. Since 1929.
ELAICHI
SILVER COATED

What's your pleasure?

BABA ELAICHI CONTAINS AN ADMIXTURE OF SODIUM SACCHARIN (INS 954(iv)), SUCRALOSE (INS 955) AND NEOTAME (INS 961).
NOT RECOMMENDED FOR CHILDREN. CONTAINS NON CALORIC SWEETENERS.
Dharampal Premchand Ltd | Ph: 1800-180-1929 (Toll Free) | Email: feedback@baba.in | Website: www.baba.in

दिल्ली में फिरोज़ा की जोरदार लांचिंग

मशहूर खैनी ब्रांड नेवला ने अपने पान मसाला ब्रांड फिरोज़ा को 20 रुपये की एमआरपी में नॉर्थ ईस्ट, मध्य प्रदेश और दिल्ली में लांच किया है। मार्केटिंग टीम की कोशिशें प्लेसमेंट के तौर पर दिखाई दे रहा है। अच्छी मात्रा, क्वालिटी और बेहतरीन स्कीम के साथ लांच फिरोजा को मार्केट से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। पांच रुपये की जोड़ी में फिरोज़ा दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, बिहार, उत्तर प्रदेश और गुजरात समेत देश के कई अन्य राज्यों में पहले से ही अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। पांच रुपये की जोड़ी में दिल्ली में लांचिंग से पहले ही इसे सेंट्रल कर्नाटक, बेंगलुरु व आंध्र प्रदेश के हैदराबाद आदि शहरों तथा पंजाब में लांच किया गया था। मार्केट सर्वे के दौरान दुकानदारों ने टोबैको प्लस को बताया कि कंज्यूमरों को फिरोजा पान मसाला का टेस्ट पसंद आ रहा है। न केवल पान मसाले का बल्कि तंबाकू का भी टेस्ट लाजवाब है। चूंकि नेवला की मार्केट में पहले से ही अच्छी पकड़ है इसलिए उम्मीद के अनुरूप ही इसका लाभ फिरोजा पान मसाला को मिल रहा है।

विस्तार की राह पर गगन

अभी हाल ही में गगन पान मसाला को कंपनी ने पांच रुपये की जोड़ी में मेरठ मंडल व सहारनपुर मंडल में नये सिरे से लांच किया है। इन इलाकों के लिए यह ब्रांड नया नहीं है क्योंकि लोग पहले से ही इससे परिचित हैं। टोबैको प्लस के सर्वे में पता चला कि उत्पाद की क्वालिटी बढ़िया है और स्वाद भी बेहतर है इसलिए इसे लगातार कटिंग मिल रही है। हालांकि नई लांचिंग के बावजूद अन्य ब्रांडों की ही तरह गगन की भी मार्केट में शॉर्टेज चल रही है। टोबैको प्लस के सर्वे में लोगों ने बताया कि गगन को दिल्ली व आसपास के शहरों मसलन गाजियाबाद, नोएडा, गुड़गांव व फरीदाबाद में काफी अच्छी सफलता मिली है। उल्लेखनीय है कि गगन पान मसाला उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, बदायूं, रामपुर, अमरोहा, गजरौला व हापुड़ समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तमाम अन्य जिलों में बेहद लोकप्रिय ब्रांड है। वह इन मंडियों में खूब बिकता है। दिल्ली एनसीआर में भी यह लगातार ग्रोथ कर रहा है।

विमल 5000 की बिक्री में ग्रोथ

पैन इंडिया ब्रांड विमल ही एकमात्र ऐसा ब्रांड है जिसकी मार्केट में फुल सप्लाई है। अन्य ब्रांडों की शॉर्टेज के बीच विमल की भरपूर उपलब्धता का लाभ इसे मिल रहा है। टोबैको प्लस के सर्वे का आकलन है कि नये टैक्सेशन के बाद पूरे देश में विमल की बिक्री में 25 से 30 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। देश की अन्य मंडियों में जहां विमल की बिक्री है वहीं उत्तर प्रदेश में कंपनी विमल 5000 पर जोर दे रही है। सर्वे के दौरान मार्केट जानकारों ने टोबैको प्लस को बताया कि विमल 5000 को पूरे राज्य में लाइक किया जा रहा है। इससे इसकी बिक्री में लगातार ग्रोथ है। सिलीगुड़ी में भी विमल 5000 अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। सिलीगुड़ी विमल का काफी मजबूत मार्केट माना जाता है। गुजरात में दशकों से नंबर एक की पोजिशन पर विराजमान विमल ने दक्षिणी राज्यों में भी अपना दबदबा बना रखा है। मार्केट सर्वे के दौरान रिटेलरों ने टोबैको प्लस को बताया कि पांच रुपये के सेगमेंट में यह बिक्री के लिहाज से नंबर एक पर है। तेलंगाना के साथ ही आंध्र प्रदेश व कर्नाटक में भी विमल की स्थिति नंबर एक की है।

सिग्नेचर की हाई डिमांड बरकरार

दिलबाग समूह का प्रीमियम उत्पाद सिग्नेचर पूरे देश में सबसे तेजी से बढ़ता ब्रांड है। खासकर पांच रुपये की एमआरपी में तो यह देश के प्रायः सभी राज्यों में सबसे हिट ब्रांड है। नये टैक्सेशन के बाद मार्केट में नया माल आना शुरू हो गया है। पांच रुपये में 1.75 ग्राम और एक पैकेट में 55 पाउच हैं। इसकी तरह 10 रुपये की जोड़ी में मसाले की क्वांटिटी 2.5 ग्राम और पैकेट में 37 पाउच तथा 15 की जोड़ी में मसाले की क्वांटिटी 4 ग्राम है। सिग्नेचर की क्वालिटी इतनी शानदार और स्वाद दमदार है कि मार्केट में आते ही यह ग्राहकों की जुबान पर चढ़ गया। इसकी इतनी लोकप्रियता है कि पिछले दिनों मार्केट में इसका शॉर्टेज हो गया था जिससे एमआरपी से भी अधिक कीमत देकर लोग इसे खरीद रहे थे। अब धीरे-धीरे स्थिति सामान्य होने की ओर है। अपने स्वाद व क्वालिटी की बदौलत सिग्नेचर ने राजधानी दिल्ली, यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश, वेस्ट बंगाल, ओडिशा, नार्थ ईस्ट समेत देश के तमाम राज्यों में जबर्दस्त सफलता हासिल की है। ये राज्य एक तरह से इसके सबसे मजबूत गढ़ बन चुके हैं। इसके जिपर व टिन पैक की भी जबर्दस्त डिमांड है।

DHARAMPAL PREMCHAND LIMITED

BABA®
Quality. Since 1929.
Black
SUPARI

FLAVOURED BETELNUTS

BABA BLACK SUPARI CONTAINS AN ADMIXTURE OF SODIUM SACCHARIN (INS 954(iv)) AND SUCRALOSE (INS 955). NOT RECOMMENDED FOR CHILDREN.
CONTAINS NON CALORIC SWEETENERS. CHEWING OF SUPARI IS INJURIOUS TO HEALTH.
DHARAMPAL PREMCHAND LTD. | PH.: 1800-180-1929 (TOLL FREE) | E-MAIL: FEEDBACK@BABA.IN | WEBSITE: WWW.BABA.IN

सिग्नल स्वीट सुपारी लांच

स्वीट सुपारी मार्केट में एक और नये प्लेयर ने ज़ोरदार दस्तक दे दी है। यह स्वीट सुपारी ब्रांड है सिग्नल। अभी हाल ही में नॉर्थ ईस्ट के कई प्रमुख शहरों गुवाहाटी, नगांव, होजाई, जोरहाट, गोलाघाट, उत्तरी लखीमपुर, हैलाकांडी और पाठशाला आदि में सिग्नल स्वीट सुपारी को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया है। सिलीगुड़ी, राजगंज, रामगंज और मेटेली, चालसा में इसकी उपस्थिति पहले से ही है। दूसरे चरण में जल्द ही तेजपुर, सोनारी, उदयपुर और बारपेटा में भी इसे लांच किया जाएगा। यह 1 रुपये की एमआरपी में है। टोबैको प्लस को सर्वे के दौरान सूत्रों ने बताया कि कंपनी सिग्नल को 5 रुपये के पाउच में भी पेश करेगी। दूसरे चरण की लांचिंग कंप्लीट होने के बाद कंपनी सिग्नल को तिनसुकिया, सिलचर, करीमगंज, इम्फाल, डिब्रूगढ़, ढेकियाजुली और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के अन्य सभी प्रमुख शहरों में लांच करेगी। उल्लेखनीय है कि सिग्नल पुराना व परिचित ब्रांड है। सिग्नल ज़र्दा क्षेत्र की चर्चित कंपनी रही है। सिग्नल स्वीट सुपारी को सफल बनाने के लिए कंपनी की मार्केटिंग टीम पूरे जोरशोर से लगी हुई है। कंपनी अपने विस्तार के लिए अच्छे व सुदृढ़ डिस्ट्रीब्यूटरों की तलाश कर रही है। उत्तरी बंगाल के सभी प्रमुख शहरों में भी इसे लांच करने की योजना है।

पैन इंडिया ब्रांड बनने की ओर शिखर

देश का प्रमुख ब्रांड शिखर अपने उम्दा स्वाद की बदौलत पैन इंडिया ब्रांड बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। शिखर के एक बॉक्स का रिटेल प्राइस 150 रुपये है जिसमें 50 पाउच हैं। पाउच में मसाले की क्वांटिटी 2.3 ग्राम है। यह पांच रुपये की जोड़ी में है जिसमें मसाला 3 रुपये और जर्दा दो रुपये का है। शिखर दिल्ली, झारखंड, पश्चिम बंगाल और नॉर्थ ईस्ट में नंबर एक की स्थिति में है। गुवाहाटी में 5 रुपये के सेगमेंट में यह एकतरफा बिकता है। यहां इसका मार्केट शेयर लगभग 80 प्रतिशत है। वहीं मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हरियाणा और तेलंगाना आदि राज्यों में भी अच्छी डिमांड में आ गया है। उत्तर प्रदेश में भी जिस गति से आगे बढ़ रहा है उससे मार्केट जानकारों ने टोबैको प्लस को बताया कि शिखर आने वाले दिनों में काफी उलटफेर कर सकता है। सबसे खास बात यह कि शिखर ने 10 रुपये की एमआरपी में भी अच्छी सफलता हासिल की है। वाल्यूम के हिसाब से 5 रुपये की श्रेणी अधिक मांग में है। वैसे शिखर के 20 रुपये के जंबो पाउच भी मार्केट में है। इसकी कटिंग में भी तेजी देखी जा रही है।

एक किलो के जार में मिनाक्षी चटनी

चटनी मार्केट में खास स्थान रखने वाली मिनाक्षी चटनी ने कुछ समय पूर्व पानवालों के लिए एक किलो के जार में स्पेशल सैफ्रॉन ब्लैंड प्रीमियम चटनी मुस्कान खस, मुस्कान ब्लू, मुस्कान संदल और मुस्कान पाइनएप्पल लांच किया है। पुणे, अहमदनगर, सोलापुर, कोल्हापुर, औरंगाबाद, सतारा और मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में ये जबर्दस्त डिमांड में हैं। कंपनी ने इन चटनियों को स्कीम के साथ मार्केट में उतारा है। एक किलो चटनी की कीमत 260 रुपये है लेकिन स्कीम के तहत तीन पैक के साथ एक फ्री है। इस तरह कीमत घटकर 195 रुपये किलो ही हो जा रही है। यह एक क्वालिटी प्रोडक्ट है। इसकी लोकप्रियता इसी से आंकी जा सकती है कि कस्टमर मिनाक्षी के नाम से पान की डिमांड करते हैं। कर्नाटक, तेलंगाना व आंध्र प्रदेश भी मिनाक्षी की जबर्दस्त मंडी है। एक तरह से पान शॉप पर मिनाक्षी की उपस्थिति एक अनिवार्य प्रोडक्ट के रूप में हो गई है। टोबैको प्लस के सर्वे का आकलन है कि देश की राजधानी दिल्ली से लेकर राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश व बिहार आदि राज्यों में मिनाक्षी चटनी की मजबूत पकड़ है।

DHARAMPAL PREMCHAND LIMITED

BABA®
Quality. Since 1929.
SUPARI
SILVER COATED

THE ULTIMATE TASTE OF INDIA

BABA SUPARI CONTAINS AN ADMIXTURE OF SODIUM SACCHARIN (INS 954(iv)), SUCRALOSE (INS 955) AND NEOTAME (INS 961).
NOT RECOMMENDED FOR CHILDREN. CONTAINS NON CALORIC SWEETENERS. CHEWING OF SUPARI IS INJURIOUS TO HEALTH.
Dharampal Premchand Ltd | Ph: 1800-180-1929 (Toll Free) | Email: feedback@baba.in | Website: www.baba.in

बाबा 120 ने मचाई नई हलचल

प्रीमियम श्रेणी में बाबा 120 ने अपनी क्वालिटी के दम पर देश के कई राज्यों में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। जिन राज्यों में बाबा 120 ने अपने स्वाद का परचम फहराया है उनमें कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, गुजरात, तेलंगाना व राजस्थान आदि हैं। नये टैक्सेशन के बाद बाबा 120 ने 10 रुपये की जोड़ी में 3.5 ग्राम की क्वांटिटी से पूरे मार्केट में हलचल मचा दी है। लगभग सभी जगह से इसकी डिमांड निकलकर आ रही है। अन्य ब्रांडों के शॉर्टेज का भी इसको फायदा मिल रहा है। क्वालिटी प्रोडक्ट होने की वजह से इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। टोबैको प्लस के मार्केट सर्वे में जानकारों ने बताया कि बाबा का एक और प्रमुख प्रीमियम ब्रांड नौरतन तेलंगाना व आंध्र प्रदेश में नंबर वन की स्थिति में है। यहां इसके सभी सेगमेंट 10 रुपये के पाउच से लेकर जिपर व टिन तक जबर्दस्त डिमांड में हैं। इसके अलावा गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम और नार्थ ईस्ट आदि राज्यों में भी इसकी अच्छी पकड़ है।

हॉट पान मसाला कोलकाता में लांच

दिलबाग समूह ने अपने नये पान मसाला उत्पाद हॉट को आकर्षक स्कीम के साथ कोलकाता में भी लांच कर दिया है। पांच रुपये की जोड़ी में लांच हॉट के प्रत्येक पैकेट में 33 पाउच हैं और मसाले की क्वांटिटी 2.8 ग्राम है। मार्केट जानकारों ने टोबैको प्लस को बताया कि अच्छी स्कीम और अन्य ब्रांडों के शॉर्टेज का जबर्दस्त लाभ यहां हॉट को मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि नये टैक्सेशन से कुछ समय पहले कंपनी ने हॉट को तेलंगाना में लांच किया था। वहां से भी इसे अच्छी कटिंग मिल रही है। हॉट को मिल रहा यह रिस्पांस इस बात का प्रमाण है कि तेलंगाना नार्थ के उत्पादों के लिए बेहद उर्वर भूमि साबित हो रहा है क्योंकि यहां नार्थ की एक बहुत बड़ी आबादी का आवागमन है। पान मसाला क्षेत्र के प्रमुख नाम दिलबाग समूह के कई उत्पाद देश की विभिन्न मंडियों में सफलता के झंडे गाड़ रहे हैं। चाहे रेगुलर में दिलबाग हो या प्रीमियम में सिग्नेचर। देश की कई मंडियों में जहां दिलबाग और दिलबाग प्लस की जोरदार धमक है तो नार्थ ईस्ट व छत्तीसगढ़ में तलब ने अपना मजबूत मार्केट बेस तैयार कर रखा है।

कमला पसंद की सप्लाई में कमी

नये टैक्सेशन के बाद कमला पसंद के नये माल मार्केट में आ गये हैं लेकिन डिमांड के अनुसार अभी भी सप्लाई कम है। इससे मार्केट में इसका शॉर्टेज देखने को मिल रहा है। कमला पसंद के नये पाउच में मसाले की क्वांटिटी दो ग्राम है। जोड़ी में 4 रुपये का मसाला और दो रुपये का जर्दा लेकिन बिक रहा है पांच रुपये में ही। कमला पसंद का जो नया माल मार्केट में आया है उसमें एक बॉक्स में 34 पाउच हैं और बॉक्स की कीमत 136 रुपये है। टोबैको प्लस के सर्वे में कमला पसंद की सप्लाई में कमी की बात डिस्ट्रीब्यूटरों व होलसेलरों ने बताई। उन्होंने टोबैको प्लस से कहा कि अप्रैल मध्य तक सप्लाई पूरी न होने से मार्केट में कमला पसंद की शॉर्टेज चल रही है। इससे रिटेलरों व कंज्यूमर तक सबको परेशानी हो रही है। डायमंड जुबली ईयर मना रहे कमला पसंद की दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार व झारखंड समेत कई राज्यों में बेहद मजबूत पकड़ है। कहीं यह नंबर एक पर है तो कहीं बेहद दमदार स्थिति में है।

कपड़ा, लेमिनेशन व प्रिंटिंग मशीन खुद का इसलिए सबसे सस्ते व टिकाउ बैग की गारंटी

Manufacturer of:

- Canvas Bag
- Howker Bags
- Cotton Fabric
- Offset Printing Services
- Laminated Fabric etc.

Vimal Bags

Vimal Lamination and Printers

Vimal Fabrics

Meerut-250001 (Delhi NCR)
Vimallaminationprinters@gmail.com
vimalbagsinfo@gmail.com
Sharad Chaudhary - 7017199738

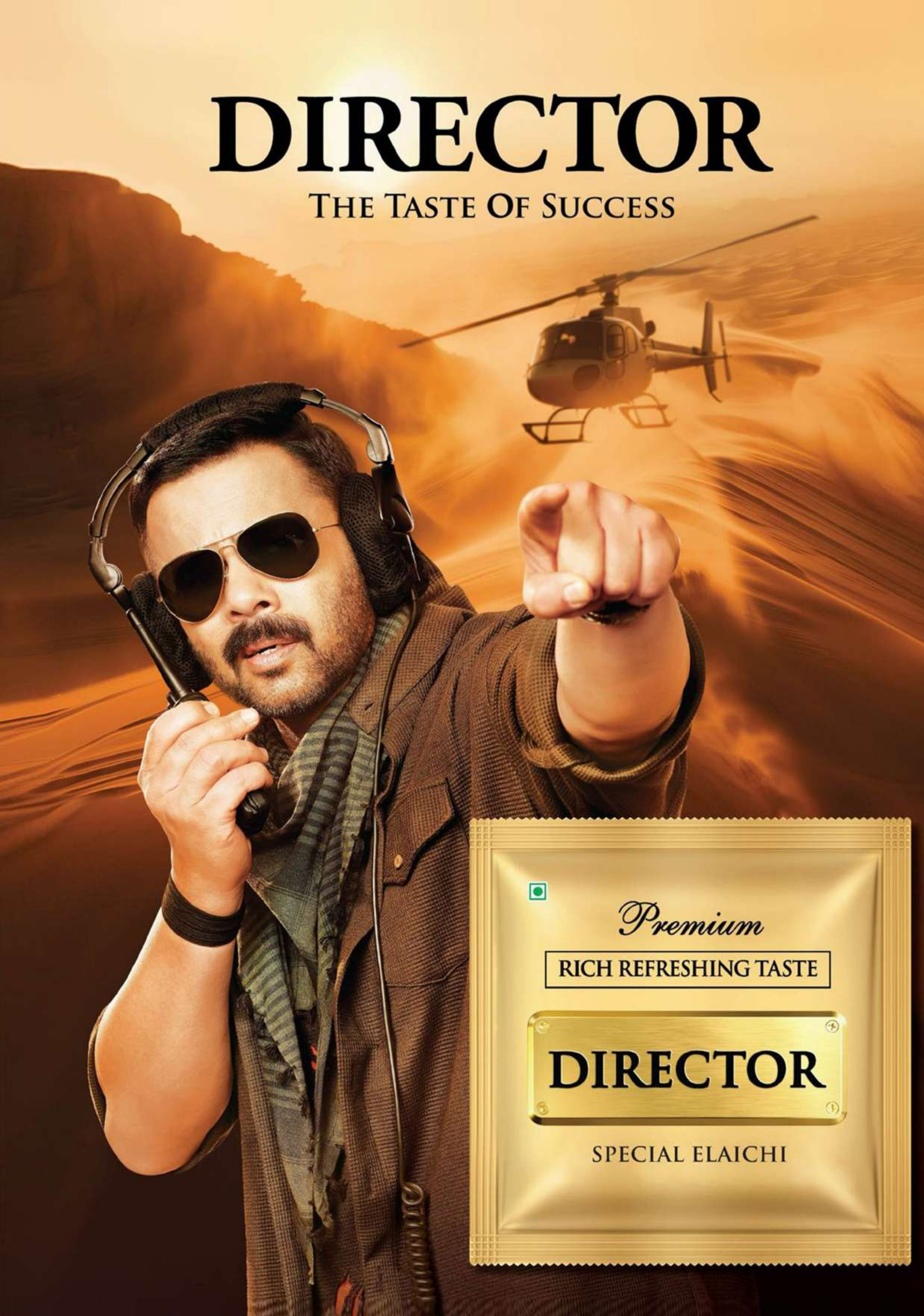
DIRECTOR
THE TASTE OF SUCCESS
Premium
RICH REFRESHING TASTE
DIRECTOR
SPECIAL ELAICHI

रितिक की ज़ोरदार बिक्री

उज्जैन के एससी ग्रुप ऑफ कंपनी का स्वीट सुपारी मार्केट में अच्छा दबदबा है। कंपनी के पास इस क्षेत्र में काम करने का लंबा अनुभव है। पांच रुपये की एमआरपी में रितिक क्लासिक गोल्ड और एक रुपये के पाउच में रसना रोज सुपारी उत्तर प्रदेश की कई मंडियों में जोरदार चल रहे हैं। इसके अलावा कंपनी के अन्य सुपारी प्रोडक्ट देश की कई मंडियों में अच्छी बिक्री में है। कंपनी के अन्य सुपारी उत्पादों में रितिक गोल्ड, रितिक स्वीट सुपारी और रितिक रोज आदि हैं। ये सभी उत्पाद अपने फ्लेवर व स्वाद के लिए जाने जाते हैं। इनकी मंडियां उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और नार्थ ईस्ट हैं। इन तमाम राज्यों में रितिक की दमदार उपस्थिति है। स्वीटी सुपारी के दबदबे के बीच रितिक ने अच्छा मार्केट बेस बना लिया है। टोबैको प्लस के सर्वे में दुकानदारों ने बताया कि इसके आगे बढ़ने की प्रमुख वजह कंपनी की मार्केट की गहरी समझ और लोगों की पसंद का ख्याल रखकर उत्पाद तैयार करने की रणनीति है। यही कारण है कि इसके ग्राहकों की संख्या में हर दिन बढ़ोत्तरी हो रही है।

स्वीटी सुपारी की जबर्दस्त धूम

स्वीट सुपारी मार्केट में स्वीटी सुपारी ने पूरे देश में ही अपने स्वाद का डंका बजा रखा है। इसे युवा से लेकर बूढ़े तक और महिलाओं से लेकर युवतियाँ तक सभी समान रूप से पसंद करते हैं। आज की तारीख में यह पैन इंडिया ब्रांड की पोजिशन पर है और नंबर वन की बिक्री में है। टोबैको प्लस की टीम को जानकारों ने बताया कि स्वीट सुपारी में स्वीटी सुपारी की बिक्री सबसे अधिक है। दो रुपये की एमआरपी में केसर फ्लेवर वाली स्वीटी सुपारी ने तो बिक्री के लिहाज से तहलका मचा रखा है। यह यूपी में तो नंबर वन है ही सुदूर तेलंगाना में भी सबसे ऊंचे पायदान पर विराजमान है। इसके अलावा राजधानी दिल्ली समेत देश के अन्य कई राज्यों में नंबर वन की बिक्री में है। इसकी लोकप्रियता कितनी है इसे इसी से समझा जा सकता है कि यह पान शाप के साथ ही किराना की दुकानों पर भी पूरी मजबूती के साथ मौजूद है। इतना पुराना ब्रांड होने के बावजूद इसने क्वालिटी को मैंटेन करके रखा है। सबसे बड़ी बात यह है इसका स्वाद जैसे पहले था वैसे ही आज भी बरकरार है।

टोजो को मिल रहा शानदार रिस्पांस

माउथ फ्रेशनर मार्केट में टोजो काफी तेजी से अपनी जगह बना रहा है। यह सुदर्शन समूह, अंबाला का उत्पाद है। पंजाब, हरियाणा व उत्तराखंड समेत पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में टोजो माउथ फ्रेशनर ने अपनी बेहद मजबूत पैठ बनाई है। टोजो की मार्केटिंग का टीम का करिश्मा ही है कि यह हर जगह एवलेबल है। यह अपने स्वाद का लोहा मनवा रहा है। टोबैको प्लस के सर्वे में मार्केट जानकारों ने बताया कि टोजो माउथ फ्रेशनर का स्वाद बहुत जबर्दस्त है। कंज्यूमर्स इसे खूब पसंद कर रहे हैं। वैसे तो माउथ फ्रेशनर मार्केट में बाबा ब्लैक सुपारी समेत तमाम अन्य ब्रांडों की अपनी अलग धूम है लेकिन टोजो को भी ग्राहक खूब पसंद कर रहे हैं। टोजो के साथ जो सबसे पॉजिटीव चीज है वह है इसको हर उम्र वर्ग के लोग पसंद कर रहे हैं। चाहे वह युवा वर्ग हो या महिलाएं। हर किसी को टोजो का स्वाद लुभा रहा है। टोजो को मिल रही इस सफलता के पीछे स्वाद व क्वालिटी के साथ ही मार्केटिंग टीम की सक्रियता का भी भरपूर योगदान है।

कश्मीरी मिठा ज़बर्दस्त लोकप्रिय

पुणे व मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में नंबर एक पर बिकने वाला कश्मीरी मिठा एकमात्र ऐसा प्रोडक्ट है जो कई दशकों से वैसे का वैसे डिमांड में है। पचास पैसे और एक रुपये की एमआरपी में तो कश्मीरी मिठा है ही 50 ग्राम व एक किलो के फेमिली पैक में भी यह उपलब्ध है। इसी कंपनी का धना दाल, कश्मीरी मुखवास, कश्मीरी मिंट और कश्मीरी सौंफ भी काफी पसंद किये जाते हैं। ब्रांड नाम भले ही कश्मीरी है लेकिन इसका कश्मीर से दूर-दूर तक नाता नहीं है। मार्केट सर्वे के दौरान टोबैको प्लस को बताया गया कि महाराष्ट्र में कश्मीरी ब्रांड मीठा सौंफ का पर्याय बन गया है। पुणे के इस उत्पाद की लोकप्रियता इसी से आंकी जा सकती है कि इससे मिलते जुलते कई सारे ब्रांड आये लेकिन कश्मीरी मिठा की बादशाहत पर आंच नहीं आई। पुणे का यह उत्पाद आज भी नंबर एक पर चल रहा है। पुणे के अलावा महाराष्ट्र के कोल्हापुर, औरंगाबाद, बीड और नांदेड़ समेत तमाम मंडियों में इसका जबर्दस्त प्लेसमेंट है।

BMV Fragrances (P) Ltd.

www.bmvfragrances.com

future is reconstituted
B
patents pending

art and science of reconstitutions
M

leaders in reconstitutions
V
since 1990

Scan for Product & Price List

For Sales Enquiry:

Mr. Toshin Saxena
+91 9810965941
toshin@bmvfragrances.com

Mr. Dharmendra Makholia
+91 9810954621
sales@bmvfragrances.com

J- 44,45,46 & K-55 (Warehouse)
Kasna Industrial Area, UPSIDC, Site V, Greater Noida, U.P. 201308
Tel No : (+91) 8800397839 / 8800397840
Web: www.bmvfragrances.com

Jai Mata Di

ASHA PERFUMERS

Manoj Kumar Dixit
(Founder)

Milan Dixit

Manufacturer of

Indian Attars & Essential Oils

Mobile: 9936373737 • 9415146952-53

Ashok Nagar, Kannauj-209725 (UP) I E-mail: ashaperfumers474@gmail.com

Shikhar®
PAN MASALA
Shikhar®
PAN MASALA
पान मसाला चबाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है. नाबालिगों के लिए नही. 0% तंबाकू अतिरिक्त निकोटिन नही.

सर®
रॉयल
TRULY INDIA'S FINEST
IND PAN MASALA IND
पान मसाला
SIR®
ROYAL
TRULY INDIA'S FINEST
IND PAN MASALA IND
विश्वास 28 सालों का
STATUTORY WARNING : CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH. NOT FOR MINORS
NO TOBACCO
NO NICOTINE

KTC

A TOUCH OF ROSE,
A TASTE OF ROYALTY

GULABO
SCENTED SUPARI

AVAILABLE IN ₹1 AND ₹2

DISTRIBUTORS REQUIRED IN DELHI, PUNJAB, RAJASTHAN, UTTAR PRADESH, MADHYA PRADESH & ASSAM

+91 9871456798

उद्योग के पक्ष में हाईकोर्ट का अंतरिम निर्णय

काल्पनिक उत्पादन क्षमता के आधार पर मनमाने शुल्क वसूली पर राजस्थान हाईकोर्ट का हथौड़ा न केवल कानूनी बल्कि पूरे उद्योग के भविष्य से जुड़ा एक अहम मोड़ साबित हो सकता है निर्णय

राजस्थान हाईकोर्ट के एक नये अंतरिम निर्णय से तंबाकू और पान मसाला उद्योग एक बार फिर से नीतिगत बहस के केंद्र में आ गया है। उच्च न्यायालय का यह निर्णय दूरगामी असर डालने वाला है। माननीय उच्च न्यायालय ने पान मसाला पैकिंग मशीनों पर 1 फरवरी 2026 से लागू क्षमता-आधारित नई एक्साइज ड्यूटी व्यवस्था में एक फर्म को अंतरिम राहत दी है। हाईकोर्ट में दायर एक याचिका में तंबाकू और पान मसाला निर्माण में उपयोग होने वाली पैकिंग मशीनों पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी की मौजूदा प्रणाली को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने काल्पनिक उत्पादन क्षमता के आधार पर मनमाने शुल्क वसूली को चुनौती देने वाली इस याचिका पर केंद्र सरकार व संबंधित विभागों को नोटिस जारी किया है। यह मामला न केवल कानूनी बल्कि पूरे उद्योग के भविष्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। मशीन की क्षमता के आधार पर टैक्स लगाने वाली इस नई व्यवस्था को असंवैधानिक बताते हुए हाईकोर्ट में यह याचिका जोधपुर के मंडोर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित फर्म 'त्रिमूर्ति लीव्स' के भागीदार विनायक के. ने दायर की थी। याचिका में कैपेसिटी बेस्ड टैक्स लगाने वाली नई व्यवस्था को असंवैधानिक बताते हुए कहा गया था कि पान मसाला पैकिंग मशीनों पर वास्तविक उत्पादन के बजाय, मशीन की 'अनुमानित' या 'काल्पनिक' उत्पादन क्षमता के आधार पर एक्साइज ड्यूटी व अन्य कर जिसमें 40 प्रतिशत तक जीएसटी के साथ अन्य उपकर तय किए जा रहे हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि मशीनें पूरी क्षमता से काम नहीं करतीं, इसलिए यह व्यवस्था अनुचित है। हाईकोर्ट ने प्राथमिक सुनवाई के बाद याचिकाकर्ता को अंतरिम राहत देते हुए केंद्र सरकार और राजस्व विभाग से जवाब मांगा है।

वर्तमान में तंबाकू और पान मसाला निर्माण इकाइयों पर एक्साइज ड्यूटी मशीनों की उत्पादन क्षमता के आधार पर निर्धारित की जाती है। इसका अर्थ यह है कि मशीन कितनी उत्पादन कर सकती है, उसी अनुमान के आधार पर टैक्स तय होता है। भले ही वास्तविक उत्पादन उससे कम ही क्यों न हो। उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि यह व्यवस्था व्यवहारिक नहीं है। उद्योग की आपत्ति है कि मशीन की क्षमता नहीं, वास्तविकता देखी जानी चाहिए क्योंकि मशीन की पूरी क्षमता का उपयोग हमेशा संभव नहीं होता। बाजार की मांग, कच्चे माल की उपलब्धता और संचालन लागत जैसे कारक भी उत्पादन को प्रभावित करते हैं जबकि मशीन आधारित टैक्स प्रणाली की वजह से कम उत्पादन होने के बावजूद पूरी क्षमता के आधार पर टैक्स देना पड़ता है। इसका सीधा असर विशेष रूप से छोटे और मध्यम निर्माताओं पर पड़ रहा है। उनके लिए यह एक अतिरिक्त वित्तीय बोझ बन गया है।

याचिका में यह भी तर्क दिया गया है कि यह प्रणाली समानता के अधिकार (आर्टिकल 14) के विपरीत है। अलग-अलग परिस्थितियों में काम कर रही इकाइयों पर एक समान टैक्स लागू करना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता। केंद्र सरकार और राजस्व विभाग का जवाब आने के बाद आगे की सुनवाई में यह तर्क न्यायालय के लिए एक महत्वपूर्ण बिंदु होगा कि कर प्रणाली वास्तविक उत्पादन पर आधारित होनी चाहिए या संभावित क्षमता पर? यह मामला केवल एक टैक्स विवाद नहीं, बल्कि नीतिगत संतुलन की परीक्षा है। जहां एक ओर सरकार का उद्देश्य राजस्व सुरक्षा और पारदर्शिता है। वहीं दूसरी ओर उद्योग व्यवहारिकता और निष्पक्षता की मांग कर रहा है। टैक्स की उच्च दरें, सख्त नियामक ढांचा और बढ़ती कच्चे माल की लागत को लेकर तंबाकू और पान मसाला उद्योग पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में हाईकोर्ट का यह अंतरिम राहत भोर की ठंडी बयार जैसी शीतलता प्रदान करने वाला है।

राजस्थान हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई आने वाले समय में यह तय करेगी कि क्या क्षमता-आधारित टैक्स प्रणाली जारी रहेगी या इसे उत्पादन-आधारित मॉडल में बदला जाएगा। यदि कोर्ट उद्योग के पक्ष में निर्णय देता है, तो यह पूरे देश में तंबाकू और पान मसाला निर्माताओं के लिए एक बड़ी राहत साबित हो सकता है। वहीं, यदि मौजूदा व्यवस्था को बरकरार रखा जाता है, तो उद्योग को इसी ढांचे में अपने संचालन को संतुलित करना होगा। आने वाला फैसला यह तय करेगा कि भारत में तंबाकू और पान मसाला उद्योग किस दिशा में आगे बढ़ेगा। क्षमता के अनुमान पर या वास्तविक उत्पादन के आधार पर। जाहिर है देश में पान मसाला व तंबाकू उद्योग इस समय एक महत्वपूर्ण संक्रमण काल से गुजर रहा है। हेल्थ एंड नेशनल सेक्युरिटी सेस और आरएसपी आधारित कर प्रणाली तथा कंपाउंडेड लेवी व्यवस्था ने उद्योग की लागत संरचना को पूरी तरह बदल दिया है।

एक ओर जहां सरकार का राजस्व संग्रह लक्ष्य आक्रामक है, वहीं दूसरी ओर उद्योग को लाभप्रदता, वॉल्यूम और अनुपालन के बीच संतुलन साधना पड़ रहा है। नई कर व्यवस्था ने उद्योग के सामने एक तरफ कुंआ तो दूसरी तरफ खाई वाली विचित्र स्थिति पैदा कर दी है। उद्यमियों को समझ नहीं आ रहा है कि वे इस समस्या से कैसे उबरें। कीमत बढ़ाने पर उपभोक्ताओं के छिटकने का डर है और क्वांटिटी कम करने पर उनकी असंतुष्टि का खतरा। ऐसे में उद्योग के भीतर वजन और एमआरपी को

अनुसूची-II

(धारा 2(o), 4(1), 5 और 6 के संदर्भ में)

तालिका–1

पूर्णतः या आंशिक रूप से मशीन आधारित प्रक्रिया पर लागू

क्रम सं.	प्रति मिनट पाउच/टिन/कंटेनर की संख्या (मशीन की अधिकतम दर क्षमता)	प्रति पाउच/टिन/कंटेनर माल का वजन	प्रति मशीन प्रति माह सेस राशि (रु. लाख में)
1	500 तक	2.5 ग्राम तक	101
		2.5 ग्राम से अधिक परन्तु 10 ग्राम से कम	364
		10 ग्राम से अधिक	849
2	501 से 1000	2.5 ग्राम तक	202
		2.5 ग्राम से अधिक परन्तु 10 ग्राम से कम	728
		10 ग्राम से अधिक	1698
3	1001 से 1500	2.5 ग्राम तक	303
		2.5 ग्राम से अधिक परन्तु 10 ग्राम से कम	1092
		10 ग्राम से अधिक	2547
4	1500 से अधिक	2.5 ग्राम तक	101 × S/450
		2.5 ग्राम से अधिक परन्तु 10 ग्राम से कम	364 × S/450
		10 ग्राम से अधिक	849 × S/450

नोटः
इस अनुसूची के प्रयोजन हेतु, ऊपर तालिका 1 के कॉलम (4) में "S" का अर्थ मशीन की अधिकतम निर्धारित क्षमता है।

तालिका–2

पूर्णतः मैनुअल प्रक्रिया पर लागू

क्रम सं.	प्रक्रिया की गति/क्षमता	प्रति पाउच/टिन/कंटेनर माल का वजन	प्रति माह सेस राशि (रु. लाख में)
1	कोई भी	कोई भी	11

लेकर गहरा मंथन चल रहा है। नियमित मार्केट सर्वे के दौरान टोबैको प्लस ने जो देखा वह बेहद चिंताजनक है। नया टैक्सेशन लागू होने के दो महीने बाद तक फैक्ट्रियों में पूरा उत्पादन नहीं हो रहा है जिससे विभिन्न ब्रांडों का मार्केट में शॉर्टेज है। टैक्स की नई दरों और कंज्यूमर्स के पॉकेट का ख्याल रखते हुए उत्पाद की एमआरपी और क्वांटिटी को किस तरह से मैनेज किया जाय इस पर लगातार मंथन जारी है।

नई कर संरचना विशेष रूप से छोटे और मध्यम निर्माताओं के लिए चिंता का विषय बन गई है, जिनकी उत्पादन क्षमता सीमित है लेकिन कर देनदारी मानक क्षमता के आधार पर तय की गई है। सरकार का उद्देश्य जहां कर चोरी पर अंकुश लगाना और राजस्व संग्रह को सुरक्षित करना है, वहीं उद्योग के लिए यह अत्यधिक कठोर और अव्यावहारिक है। कुआं और खाई वाली यह विचित्र स्थिति इसलिए उत्पन्न हुई है कि कर निर्धारण को पैकिंग मशीन की गति, पाउच के वजन और घोषित खुदरा बिक्री मूल्य से जोड़ दिया गया है। हद तो यह है कि पाउच के वजन के आधार पर पैकिंग मशीन की मानक गति तय की गई है। यदि पाउच का वजन 2.5 ग्राम तक है तो मशीन की गति 500 पाउच प्रति मिनट मानी जाती है लेकिन जैसे ही पाउच का वजन 2.5 ग्राम से अधिक होता है, मशीन की मानक गति सीधे 1000 पाउच प्रति मिनट मान ली जाती है। भले ही वास्तविक उत्पादन इससे काफी कम क्यों न हो। यही प्रावधान उद्योग के लिए सबसे बड़ी परेशानी बनकर उभरा है।

मामूली वजन वृद्धि के कारण कर देनदारी का दोगुना हो जाना कई इकाइयों को आर्थिक रूप से अस्थिर करने वाला साबित होगा। एक और बात कि मशीनें तकनीकी रूप से 1000 पाउच प्रति मिनट की गति पर लगातार नहीं चल सकतीं, लेकिन कर निर्धारण इसी आधार पर कर दिया गया है। नई व्यवस्था के तहत यदि 500 पाउच प्रति मिनट की मशीन से अधिकतम 2.5 ग्राम तक के पाउच का उत्पादन किया जाता है तो उस पर सालाना सेस लगभग 1.10 करोड़ रुपये तय किया गया है। लेकिन जैसे ही पाउच का वज़न 2.5 ग्राम से अधिक होता है और मशीन की गति 500 से बढ़कर 1000 पाउच प्रति मिनट तक जाती है तो सेस सीधे 2.20 करोड़ रुपये तक पहुंच जाता है। यानी अगर निर्माता क्वांटिटी बढ़ाते हैं या उत्पादन क्षमता बढ़ाते हैं तो सेस का बोझ भी उसी अनुपात में तेज़ी से बढ़ जाएगा। इसके अलावा तीसरा बड़ा पहलू है एमआरपी आधारित कर। यदि एमआरपी बढ़ाई जाती है, तो टैक्स भी स्वतः बढ़ जाता है।

ऐसे में उद्योग के पास न तो वजन बढ़ाने की गुंजाइश बचती है और न ही कीमत बढ़ाने की। ऐसे में एक फरवरी से लागू नई कर व्यवस्था ने पान मसाला व स्मोकलेस टोबैको उद्योग को गहरे असमंजस में डाल दिया है। यह कहना सही होगा कि उद्योग इस समय वजन, मशीन की उत्पादन क्षमता और एमआरपी के बीच बुरी तरह पिस रहा है। वैसे इसका एक दूसरा पहलू यह भी है कि पान मसाला उद्योग में जो क्वांटिटी और प्राइस वार चलता है, उस पर यह नई कर व्यवस्था विराम लगाने वाली साबित हो सकती है। इसका सीधा अर्थ है कि अब बाजार में क्वांटिटी की लड़ाई नहीं, बल्कि क्वालिटी वॉर देखने को मिलेगा। टोबैको प्लस का मानना है कि छोटे और आक्रामक मूल्य–ग्रामेज रणनीति पर चलने वाले ब्रांड्स के लिए यह दौर चुनौतीपूर्ण होगा जबकि प्रीमियम और गुणवत्ता-केंद्रित ब्रांड्स की स्थिति और मजबूत हो सकती है। नई टैक्स प्रणाली का आधार केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 4A, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017, तथा हेल्थ सेक्युरिटी एवं नेशनल सेक्युरिटी सेस एक्ट, 2025 के अंतर्गत जारी अधिसूचनाएं हैं। इन प्रावधानों के अनुसार पान मसाला और तंबाकू उत्पादों को स्पेशिफाइड गुड्स मानते हुए इन पर विशेष मूल्यांकन और सेस लगाया गया है। धारा 4A के तहत पान मसाला पर पहले से ही एमआरपी आधारित मूल्यांकन लागू है जिसमें घोषित एमआरपी पर निर्धारित एबेटमेंट लगभग 55 प्रतिशत के बाद कर की गणना की जाती है। नई व्यवस्था में इसके साथ-साथ मशीन आधारित सेस को भी प्रभावी रूप से लागू कर दिया गया है। यही प्रावधान उद्योग के लिए सबसे बड़ी परेशानी बनकर उभरा है। मामूली वजन वृद्धि के कारण कर देनदारी का दोगुना हो जाना छोटे और मध्यम निर्माताओं की आर्थिक सेहत खराब करने वाला है। मशीनें तकनीकी रूप से 1000 पाउच प्रति मिनट की गति पर लगातार नहीं चल सकतीं, लेकिन कर निर्धारण इसी आधार पर कर दिया गया है। ऐसे में हाईकोर्ट का यह निर्णय उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे टैक्स की इस मनमानी प्रणाली को चुनौती देने का रास्ता खुल गया है। बहर हाल अगली सुनवाई 13 जुलाई 2026 को होगी यानी जोधपुर से उठी यह आवाज, पूरे उद्योग के लिए असरकारी साबित होने वाला है।

Mehkega MP,
Mehkega Indore
SUGANDH INDIA
सुगंध इंडिया
4TH SUGANDH INDIA
EXPO
JANUARY 2027
INDORE
FIRST TIME IN INDORE
Agarbatti and Perfume
Expo in MP
BOOK YOUR STALL TODAY!
+91 9711766786
+91 7838312431
9TH & 10TH JANUARY 2027 |
LABHGANGA CONVENTION CENTRE | INDORE

Launching Soon
in Limited Numbers

HRA Essential Oil Factory
The Fragrance of India's Soul

From the heart of Kannauj — the perfume capital of India — HRA Essential Oil Factory brings you nature's rarest treasures in their purest form.

Specializing in Sandalwood Oil, Agarwood (Oud), Nagarmotha, Vetiver, Sugandh Mantri, and the ethereal Ruh Gulab, we craft excellence with precision, tradition, and innovation.

Our heritage-driven expertise **extends to Shamamat ul Ambar, authentic Indian Attars, natural perfumes, and a range of handmade natural products rooted in purity and performance.**

Trusted by leaders in the **tobacco, perfumery, pharmaceutical, cosmetics, and flavour industries,** HRA is the preferred source for manufacturers who demand nothing but the best.

Nature's Soul in Every Drop

HRA Essential Oil Factory

Hajiganj, Eidgah Road, Kannauj - 209725, Uttar Pradesh, India

Mobile: +91 9935327008 | Email: hareem@hraessentialoil.com

Website: www.hraessentialoil.com

Premium Quality and Reliable Products

Trusted formulation Available

- All types of Pan Masala
- Zarda Tobacco
- Filter Khaini
- Mouth Freshener
- Sweet Supari Compound

100% Trusted Formulation | 100% Trusted Quality

Contact: Rahul

WhatsApp Messages Only – +91 97738 82825

Khanjan

ROYAL FEELING

DIAMOND DATES

MOUTH FRESHENER

10 KA DUM 2 ME

MFG. BY :

CORPORATE SUKH

Address : R S - 297/1, B/s Navrang Pipe Factory, NH 48,
At. Vaghasi - 388 320, Anand, Gujarat, India

Customer Care : +91 81400 23535 • Email : sukh63535@gmail.com

SIR®

SUPREME®

Premium

- PAN MASALA -

Ek Khaas Ehsaas

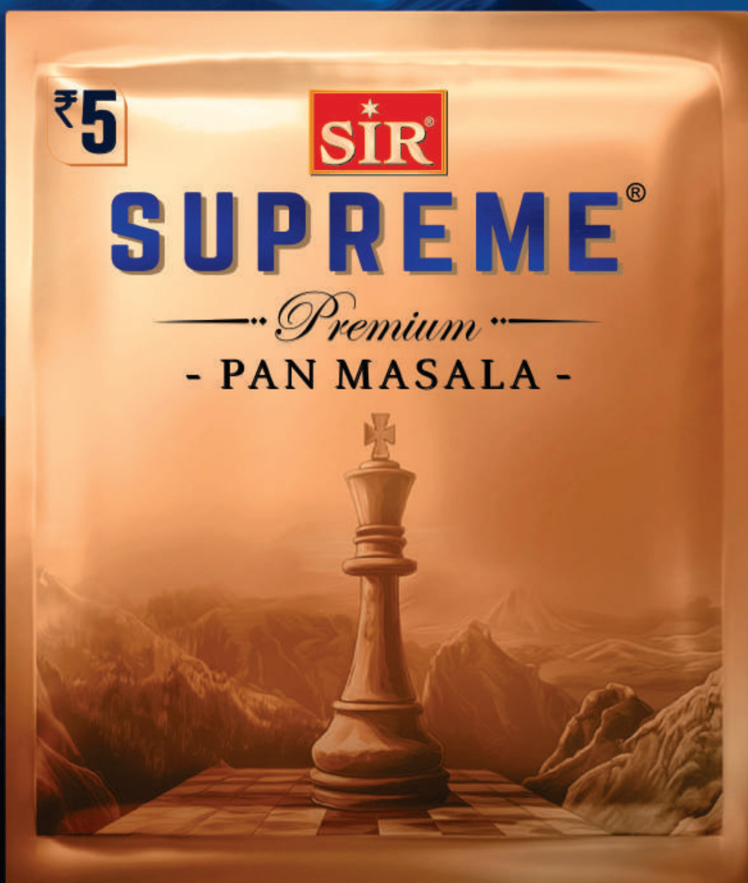

FOR TRADE ENQUIRY, PLEASE CONTACT : +91 9431 351 641

STATUTORY WARNING : CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH. NOT FOR MINORS .NO TOBACCO.NO NICOTINE

PRAGATI AROMA

OIL DISTILLERS PVT. LTD.

DISTILLERS & EXPORTERS OF

- Agmark
- Sandal Wood Oil & other Natural Essential Oils

Manufactures of:

Indian Attars &
Distillers of Sandal Wood Oil
& All Kinds of
Essential Oils Etc

FACTORY ADDRESS:
Deedar Ganj, Chhipatti, Kannauj-209725
Ph.: (off.) 234114 (Fact) 234614 Fax: 2346417 Cable: 'RUH KHUS,' & 'PRAGATI' KANNAUJ

OFFICE ADDRESS:
Unit No 1, Enterprise Center, Western Express Highway, Vile Parle East, Mumbai, Maharashtra 400099

HINA PERFUMERS

All Kinds of Indian Attars & Natural Essential Oils

INDIAN ATTAR

Ruh Kewra
Ruh Gulab
Ruh Motia
Ruh Khas
Shamama
Sandal
Kesar
Musk
Hina

EXPORT QUALITY

OUR FAMOUS COMPOUNDS

Khaini
Tobacco
Pan Masala
Sweet Supari
Confectionery
Mouth Freshner

Anil Kumar
(M) 8057639000

Alok Kumar
(M) 8057629000

OTHER COMPOUNDS:

COSMETIC | AGARBATTI | DETERGENT

B - 38 / 39, BUTLER PLAZA, CIVIL LINES, BAREILLY (U.P.)
(OFFICE) 0581-2559988, Email: hinaperfumers@rediffmail.com

Horizontal Type
Rotary Machine

India's Leading
Packaging Machine Manufacturers

Servo Base Auger Filler
(Powder/Free Flow Item)

MIXER
(Powder/Gnanuels/
Pan Masala)

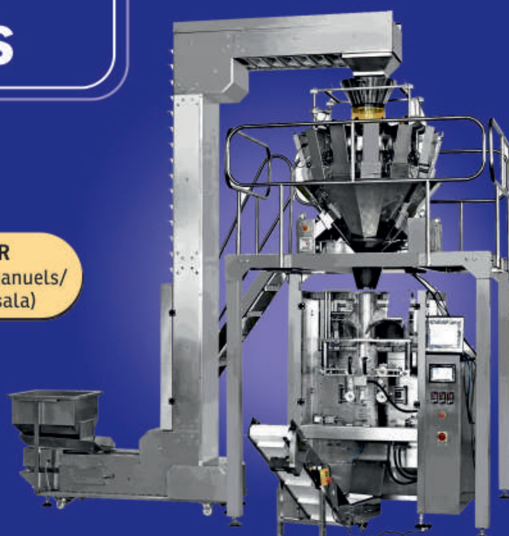

**Multihead Weigher Collar Type
Pouch Packing Machine**

PACKONIX ENGINEERING

B-3, Site-5, Udyog Kunj, Panki, Kanpur,
Email: packonixengineering@gmail.com | Web: www.packonix.com

Trade Enquiry: 9839031003

महक
सिल्वर

महक

समय बदला
स्वाद ना बदला

महक सिल्वर
मेरा दिलबर

CHEWING OF SUPARI IS INJURIOUS TO HEALTH

La Terra
SANDALWOOD OIL

SANTALUM SPICATUM OIL

(AUSTRALIAN SANDALWOOD OIL)

SANTALUM ALBUM OIL

(INDIAN SANDALWOOD OIL)

MADE IN INDIA
100% PURE & NATURAL
PURE FOR SURE

MFG BY:
LATERRA NATURAL LLP
RASIKLAL ESTATE, NEAR GOKULESH PETROL PUMP,
NAROL CHAR RASTA, NAROL, AHMEDABAD-382405,
Gujarat (INDIA)
www.laterra.co.in laterraindia@gmail.com

VIRAJ SHAH : 9825035741
TUSHAR SHAH : 9824029204

मशीन सेस के दबाव के बीच पान मसाला उद्योग:
नए ब्रांड्स के लिए
अवसर और रणनीति

उद्योगों की दिशा अक्सर संकट के दौर में ही तय होती है, और पान मसाला उद्योग भी आज ऐसे ही एक निर्णायक समय से गुजर रहा है। मशीन सेस के प्रभाव ने जहां उत्पादन को सीमित किया है, वहीं बाजार में उत्पन्न कमी ने नए खिलाड़ियों के लिए संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। यह केवल एक चुनौती नहीं, बल्कि एक रणनीतिक अवसर है—जिसे समझकर ही भविष्य की सफलता तय की जा सकती है।

पान मसाला उद्योग इस समय एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहां मशीनों पर लागू सेस ने पूरे उत्पादन ढांचे को प्रभावित कर दिया है। बढ़ती लागत के चलते कई निर्माताओं ने अपनी मशीनों की संख्या सीमित कर दी है, जिसका सीधा असर बाजार में दिखाई दे रहा है। उत्पादन में गिरावट आई है और सप्लाई चेन बाधित हुई है, जिससे मार्केट में एक स्पष्ट कमी (Shortage) का माहौल बन गया है।

वर्तमान स्थिति में बाजार का संतुलन कुछ हद तक दो प्रमुख ब्रांड्स पर टिका हुआ नजर आता है—प्रीमियम सेगमेंट में रजनीगंधा और रेगुलर सेगमेंट में विमल अपनी मजबूत सप्लाई क्षमता के कारण उपलब्ध हैं, जबकि अधिकांश अन्य ब्रांड्स बाजार से आंशिक या पूर्ण रूप से गायब हैं। इस असंतुलन ने डिस्ट्रीब्यूटर, रिटेलर और उपभोक्ता—तीनों स्तरों पर नई परिस्थितियां पैदा कर दी हैं।

ऐसे समय में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या यह नए पान मसाला ब्रांड्स के लिए बाजार में प्रवेश का सही अवसर है। वस्तुतः यह एक सुनहरा मौका है, लेकिन केवल उन्हीं के लिए जो इस स्थिति को समझते हुए रणनीतिक रूप से कदम उठाएं। बाजार में मौजूद सप्लाई गैप ने एक "ट्रायल एंट्री विंडो" खोल दी है, जहां ग्राहक और डिस्ट्रीब्यूटर दोनों ही नए विकल्पों के लिए तैयार हैं। जब स्थापित ब्रांड्स नियमित सप्लाई देने में असमर्थ होते हैं, तो बाजार स्वाभाविक रूप से नए खिलाड़ियों को स्वीकार करने लगता है। डिस्ट्रीब्यूटर, जो पहले सीमित ब्रांड्स पर निर्भर थे, अब ऐसे सप्लायर की तलाश में हैं जो उन्हें निरंतर और भरोसेमंद सप्लाई दे सके। वहीं, उपभोक्ताओं की ब्रांड लॉयल्टी में भी दरार आ रही है, क्योंकि लगातार शॉर्टेज उन्हें विकल्प बदलने के लिए मजबूर कर रही है। यह बदलता हुआ व्यवहार नए ब्रांड्स के लिए सबसे बड़ा प्रवेश द्वार बन सकता है।

हालांकि, इस अवसर को सफलता में बदलने के लिए केवल बाजार में आना पर्याप्त नहीं है, बल्कि एक स्पष्ट और मजबूत मार्केटिंग रणनीति की आवश्यकता है। वर्तमान समय में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सप्लाई ही सबसे बड़ी मार्केटिंग बन चुकी है। जो ब्रांड बाजार में लगातार उपलब्ध रहेगा, वही अपनी पहचान बना पाएगा। "नो स्टॉक आउट " की स्थिति बनाए रखना और छोटे-छोटे बाजारों तक नियमित पहुंच सुनिश्चित करना नए ब्रांड के लिए बुनियादी आवश्यकता है।

इसके साथ ही, डिस्ट्रीब्यूटर-फर्स्ट अप्रोच अपनाना अत्यंत आवश्यक है। बेहतर मार्जिन, स्कीम आधारित सेल्स और एक्सक्लूसिव टेरिटरी जैसी पेशकश डिस्ट्रीब्यूटर को न केवल आकर्षित करती है, बल्कि उसे ब्रांड के साथ लंबे समय तक जोड़कर रखती है। इस दौर में डिस्ट्रीब्यूटर को केवल एक चैनल पार्टनर नहीं, बल्कि बिज़नेस पार्टनर के रूप में देखना होगा।

ग्राहक स्तर पर, ट्रायल जनरेशन सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। छोटे पाउच, आकर्षक एंट्री प्राइस और शुरुआती ऑफर्स जैसे "एक खरीदो, एक फ्री" उपभोक्ताओं को नए ब्रांड को आज़माने के लिए प्रेरित करते हैं। रिटेलर के माध्यम से सैंपलिंग और विजिबिलिटी बढ़ाना इस प्रक्रिया को और प्रभावी बनाता है। आखिरकार, किसी भी ब्रांड की यात्रा ग्राहक के पहले ट्रायल से ही शुरू होती है।

रिटेलर पुश स्ट्रेटेजी भी इस पूरी प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा है। आकर्षक मार्जिन, POP मटेरियल जैसे डिस्प्ले और डेंगलर्स, और रिटेलर इंसेंटिव यह सुनिश्चित करते हैं कि नया ब्रांड काउंटर पर दिखाई दे और प्राथमिकता

यह एक सुनहरा मौका है, लेकिन केवल उन्हीं के लिए जो इस स्थिति को समझते हुए रणनीतिक रूप से कदम उठाएं। बाजार में मौजूद सप्लाई गैप ने एक "ट्रायल एंट्री विंडो" खोल दी है, जहां ग्राहक और डिस्ट्रीब्यूटर दोनों ही नए विकल्पों के लिए तैयार हैं। जब स्थापित ब्रांड्स नियमित सप्लाई देने में असमर्थ होते हैं, तो बाजार स्वाभाविक रूप से नए खिलाड़ियों को स्वीकार करने लगता है

के साथ बेचा जाए। इस बाजार की एक सच्चाई यह है कि "जो दिखता है, वही बिकता है।"

इसके साथ-साथ, ब्रांड पोजिशनिंग को स्पष्ट रखना भी जरूरी है। नया ब्रांड यह तय करे कि वह प्रीमियम, रेगुलर या वैल्यू फॉर मनी सेगमेंट में खुद को स्थापित करना चाहता है। आकर्षक पैकेजिंग, यूनिक फ्लेवर और एक अलग पहचान ब्रांड को भीड़ से अलग खड़ा करती है।

शुरुआती चरण में पूरे देश में फैलने की बजाय सीमित भौगोलिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना अधिक प्रभावी होता है। 2–3 राज्यों में मजबूत पकड़ बनाकर, लोकल प्रमोशन जैसे होर्डिंग, वैन एक्टिविटी और ग्राउंड लेवल एंगेजमेंट के जरिए ब्रांड को स्थापित किया जा सकता है। यह रणनीति "हर जगह कमजोर" होने के बजाय "कुछ जगह मजबूत" बनने पर आधारित है। अंततः, किसी भी ब्रांड की दीर्घकालिक सफलता उसके कस्टमर एक्सपीरियंस पर निर्भर करती है। स्वाद, क्वालिटी और प्रोडक्ट की कंसिस्टेंसी में किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। पहली खरीद भले ही मार्केटिंग के कारण हो, लेकिन दोबारा खरीद केवल संतुष्टि और भरोसे के आधार पर ही होती है।

इस पूरे परिदृश्य में कुछ सामान्य गलतियों से बचना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। केवल स्कीम्स के भरोसे ब्रांड बनाना, सप्लाई में अनियमितता रखना, क्वालिटी से समझौता करना या बहुत तेजी से विस्तार करने की कोशिश करना—ये सभी ऐसे कदम हैं जो शुरुआती अवसर को नुकसान में बदल सकते हैं।

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि मशीन सेस के कारण उत्पन्न मौजूदा परिस्थितियों ने पान मसाला उद्योग में एक असामान्य लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर पैदा किया है। जहां एक ओर स्थापित ब्रांड्स दबाव में हैं, वहीं दूसरी ओर नए ब्रांड्स के लिए बाजार में प्रवेश और पहचान बनाने का मार्ग खुला हुआ है। जो ब्रांड इस समय निरंतर सप्लाई सुनिश्चित करेगा, डिस्ट्रीब्यूटर के साथ मजबूत संबंध बनाएगा और ग्राहक को संतुष्ट करेगा, वही आने वाले समय में उद्योग का अगला बड़ा नाम बन सकता है।

यह समय केवल बाजार में आने का नहीं, बल्कि सही रणनीति के साथ टिकने और स्थायी विकास की नींव रखने का है।

दोराहे पर पान मसाला व टोबैको इंडस्ट्री

वर्तमान में यह उद्योग एक ऐसे दोराहे पर खड़ा है, जहां एक तरफ राजस्व और आजीविका का सवाल है तो दूसरी तरफ सार्वजनिक स्वास्थ्य और सख्त सरकारी नियमन।

विशेषज्ञों का कहना है कि पान मसाला और तंबाकू उद्योग को वर्तमान में अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और तकनीकी सुधार लाने की आवश्यकता है।

आने वाले समय में केवल वही इकाइयां टिकी रहेंगी जो बदलती वैश्विक व्यवस्था और कठोर आर्थिक नीतियों के साथ तालमेल बिठा पाने में सक्षम होंगी।

युद्ध और वैश्विक अस्थिरता का दौर न केवल मानवीय संकट लाता है बल्कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था और सप्लाई चेन को भी झकझोर कर रख देता है। आज जब वैश्विक परिदृश्य युद्ध और संघर्ष की विभीषिका से घिरा है, अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र में उथल-पुथल मची है। आमतौर पर विलासिता या 'सिन गुड्स' की श्रेणी में आने वाला तंबाकू और पान मसाला उद्योग भी इस भू-राजनीतिक अस्थिरता से अछूता नहीं है। जाहिर है विस्तृत मांग और जटिल वितरण नेटवर्क के लिए मशहूर पान मसाला और टोबैको इंडस्ट्री वर्तमान युद्ध स्थितियों के बीच एक दोराहे पर खड़ी है। पान मसाला और तंबाकू उद्योग हमेशा से आर्थिक विमर्श और नीतिगत कड़ाई के केंद्र में रहा है।

वर्तमान में यह उद्योग एक ऐसे दोराहे पर खड़ा है, जहां एक तरफ राजस्व और आजीविका का सवाल है तो दूसरी तरफ सार्वजनिक स्वास्थ्य और सख्त सरकारी नियमन। हाल ही में जीएसटी परिषद ने इस क्षेत्र पर कम्पेन्सेशन सेस की दरों में बदलाव और इसे खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) से जोड़ने जैसे कड़े कदम उठाए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य कर चोरी रोकना और तंबाकू उत्पादों को हतोत्साहित करना है। हालांकि, भारी कराधान ने पान मसाला और टोबैको इंडस्ट्री के सामने कठिन चुनौतियां पेश की हैं। इस बदलाव से बाजार में अवैध और बिना ब्रांड वाले उत्पादों की पैठ बढ़ने का जोखिम भी बढ़ गया है। तंबाकू उद्योग के लिए सबसे बड़ी चुनौती स्वास्थ्य संबंधी कड़े कानून और विज्ञापन पर प्रतिबंध हैं। सरकार का ध्यान अब तंबाकू मुक्त भविष्य की ओर है, जिससे उत्पादन और बिक्री की सीमाओं पर निरंतर दबाव बना रहता है।

इसी के साथ कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और पैकेजिंग नियमों में बदलाव ने परिचालन लागत को बढ़ाया है। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि पान मसाला और तंबाकू उद्योग को वर्तमान में अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और तकनीकी सुधार लाने की आवश्यकता है। केवल सरकारी नीतियों पर निर्भर रहने के बजाय, उद्योग को वैकल्पिक और कम हानिकारक उत्पादों की दिशा में शोध बढ़ाने पर विचार करना होगा। आजीविका और राजस्व के बीच संतुलन तभी संभव है जब यह क्षेत्र बदलती कानूनी व्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्वों के साथ खुद को ढालने के लिए तैयार रहे।

युद्ध की आग केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसकी तपिश उन उद्योगों की सप्लाई चेन और कराधान नीतियों तक भी पहुंचती है, जो राज्य के खजाने में बड़ा योगदान देते हैं। कच्चे माल का संकट और बढ़ती लागत युद्ध के समय सबसे बड़ी चुनौती होती है। पान मसाला और तंबाकू उद्योग के लिए आवश्यक कुछ विशिष्ट सुगंधित द्रव्य और पैकेजिंग सामग्री का अंतरराष्ट्रीय व्यापार बाधित हुआ है। ईंधन की बढ़ती कीमतों ने परिवहन लागत को आसमान पर पहुंचा दिया है, जिससे अंततः उत्पादन की लागत में वृद्धि हुई है। छोटे उत्पादकों के लिए इस बढ़ी हुई लागत और घटते मुनाफे के बीच संतुलन बनाना एक कठिन चुनौती बन गया है।

भारत में जहां तंबाकू और पान मसाला पहले से ही उच्च कर की श्रेणी में हैं, युद्ध के कारण होने वाली मुद्रास्फीति और संभावित अतिरिक्त 'सेस' इस उद्योग की कमर तोड़ सकते हैं। हालांकि, यह भी सच है कि आर्थिक मंदी के दौर में भी इन उत्पादों की मांग में कोई विशेष कमी नहीं देखी जाती, जो इसे एक 'प्रतिरोधी बाजार' बनाता है। इस अनिश्चितता के दौर में उद्योग के लिए एकमात्र रास्ता आत्मनिर्भरता का है। आयातित कच्चे माल पर निर्भरता कम करना और घरेलू उत्पादन प्रणालियों को मजबूत करना समय की मांग है। साथ ही, कंपनियों को अपनी आपूर्ति श्रृंखला को अधिक लचीला और डिजिटल रूप से सशक्त बनाना होगा ताकि किसी भी वैश्विक व्यवधान का असर न्यूनतम हो।

कुल मिलाकर युद्ध के इस दौर में तंबाकू और पान मसाला उद्योग एक दोराहे पर खड़ा है। जहां एक ओर इसे बढ़ती लागत और सख्त नियमों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर अपनी आर्थिक प्रासंगिकता बनाए रखने की चुनौती भी है। आने वाले समय में केवल वही इकाइयां टिकी रहेंगी जो बदलती वैश्विक व्यवस्था और कठोर आर्थिक नीतियों के साथ तालमेल बिठा पाने में सक्षम होंगी। यह समय उद्योग के लिए केवल लाभ कमाने का नहीं बल्कि अपनी कार्यप्रणाली के पुनर्मूल्यांकन और स्थिरता की तलाश का है।

आवश्यकता है

फिल्टर खैनी / स्नफ मशीन

(नई या पुरानी) की आवश्यकता है।

इच्छुक विक्रेता संपर्क करें :

दीपक : +91 9150541688

केवल गंभीर विक्रेता ही संपर्क करें !

PERFUMERS

An Asha Group Concern

Late Shri Virendra Kumar Dixit Ji
Founder – The Asha Group

Vipin Kumar Dixit
Chairman

Manufacturers and Distillers of

Indian Natural Attars

Sandalwood Oil

All kinds of Essential Oils

Experience the magic of Indian fragrances with A.V. Perfumers, your trusted manufacturer and distiller of all Indian attars, sandalwood oil, and essential oils. Our flavours & fragrances are created using traditional distillation methods and the finest ingredients, ensuring a truly exquisite and authentic experience.

+91 9415146954/7390922672 | avperfumers@gmail.com | www.avperfumers.com | www.ashagrp.com
Distillery Unit, Asha Campus, Hotel Asha, G.T. Road, Saraimeera, Kannauj, Uttar Pradesh(209727)

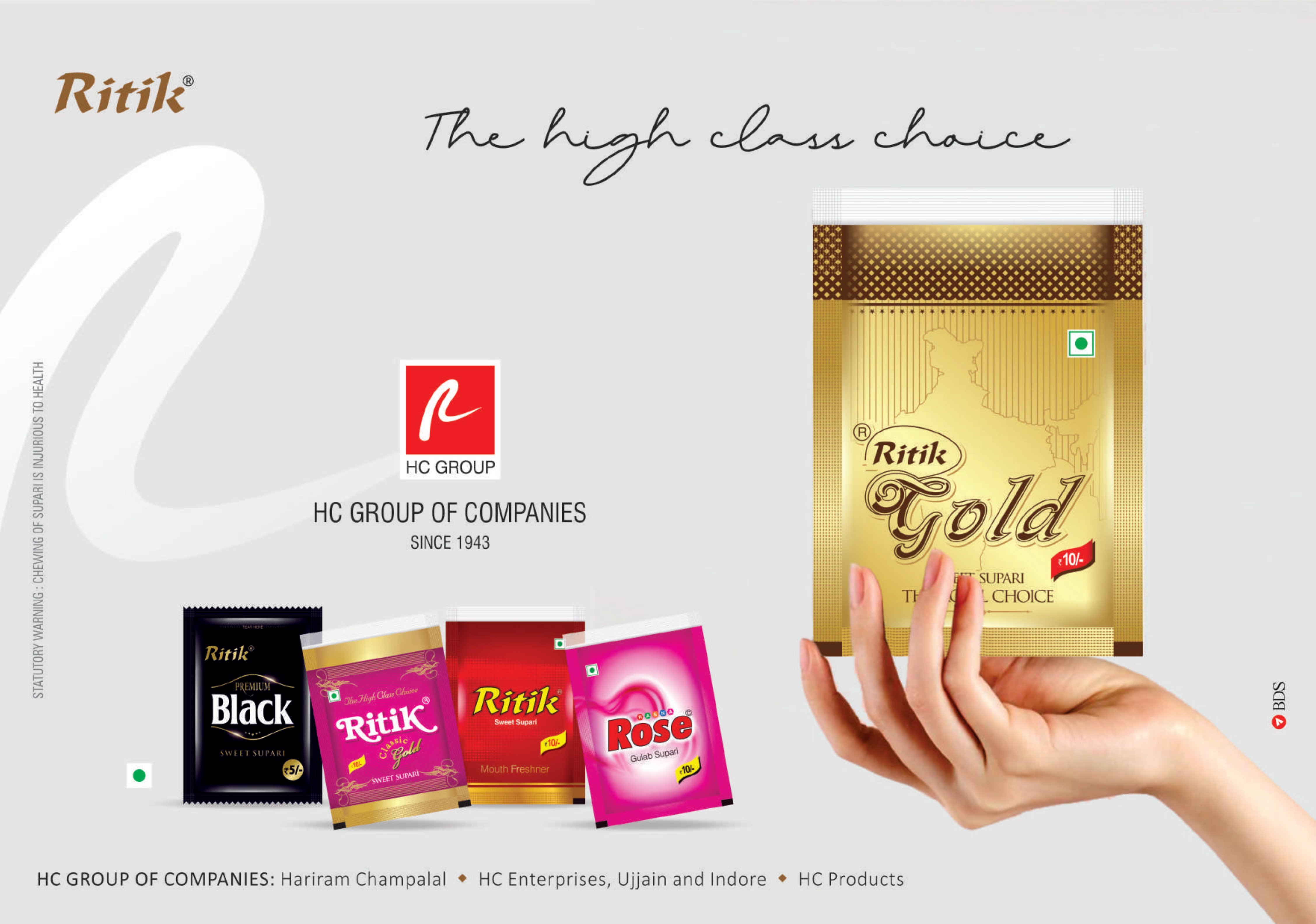
Ritik®
The high class choice
HC GROUP
HC GROUP OF COMPANIES
SINCE 1943
Ritik®
PREMIUM
Black
SWEET SUPARI
₹5/-
The High Class Choice
Ritik®
Classic Gold
10/-
SWEET SUPARI
Ritik®
Sweet Supari
₹10/-
Mouth Freshner
Rose
Gulab Supari
₹10/-
Ritik
Gold
₹10/-
STATUTORY WARNING : CHEWING OF SUPARI IS INJURIOUS TO HEALTH
BDS
HC GROUP OF COMPANIES: Hariram Champalal ◆ HC Enterprises, Ujjain and Indore ◆ HC Products

Vani
GROUPS
नए भारत की
TM
चौरसिया
भारत
नं० 18 रजि०
Vani
GROUPS
वाणी
Vani
EXTRA
10%
TM
चौरसिया
भारत
नं० 121 रजि०
Vani
GROUPS
वाणी
Vani
TM
चौरसिया
भारत
नं० 91 रजि०
Vani
GROUPS
वाणी
Vani
MP ENTERPRISES
A Distinctly DIFFERENT Tobacco Company

वाणी

नयी वाणी

Corp. Office : D-23, Site IV,Sahibabad Indl. Area,
Ghaziabad, NCR Delhi
Ph.: 0120-4377266, 9999657448
E-mail : mpenterprises.vani@gmail.com

PT. CHANDRABALI & SONS
Serving You Since 1911

More Than 100 Years of Excellence

PT. CHANDRABALI & SONS

A House Built On Quality and Trust

Late Pt. Virendra Kumar Dixit

Manufacturer of Indian Attars and Essential Oils

Ram Dixit

Hina Building, Ashok Nagar, Kannauj-209725, UP; Ph.: 05694-234157, 234257, 235257

Mobile: 9838338339, 9415146955 (Ram Dixit) • 9918101601; (Vaibhav Dixit)

Email: ptchandrabali@gmail.com

PAN BAHAR
BAHAR
जश्न-ए-बहार
J 20 XL PACK
NEW PACK
PAN BAHAR PRODUCTS (P) LTD.
BAHAR
THE HERITAGE
PAN MASALA
BAHAR
THE HERITAGE
PAN MASALA
CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH.
NO TOBACCO NICOTINE

शुद्ध प्ल

सिल्वर

पान मसाला

सबकी ज़ुबां पर मैं हूँ

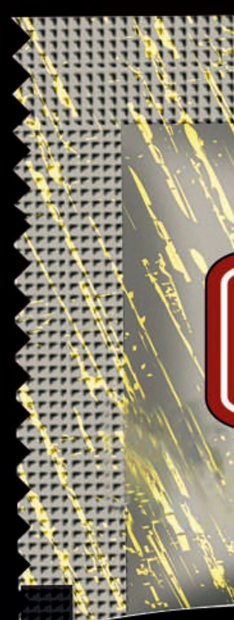

TOLL FREE NO. : **1800 2120 99777**

SHUDH PLUS
SILVER
PAN MASALA
शुद्ध प्लस
सिल्वर
पान मसाला
CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH.
NO TOBACCO. NO NICOTINE

अरोमा उद्योग का महाकुंभ

वर्ल्ड अरोमा एक्सपो 2026 की झलक

वर्ल्ड अरोमा इंग्रीडिएंट्स कांग्रेस एंड एक्सपो 2026 का आयोजन एसेंशियल ऑइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (EOAI) द्वारा 16 से 18 मार्च 2026 तक मुंबई के फेयरमोंट होटल में किया गया, जिसमें एसेंशियल तेल, फ्रेगरेंस, फ्लेवर और संबंधित उद्योगों के प्रमुख खिलाड़ियों ने भाग लिया।

"सेन्टस एण्ड टैस्टस ऑफ टोमॉररो: इंडियास इनोवैशन इन एसेंशियल ऑइल्स एण्ड अरोमा केमिकलस" थीम पर आधारित इस आयोजन ने उद्योग जगत के लीडर्स, निर्माताओं, निर्यातकों, शोधकर्ताओं और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को एक गतिशील मंच प्रदान किया, जहां उन्होंने ज्ञान का आदान-प्रदान किया, नवाचारों को समझा और वैश्विक साझेदारियों को मज़बूत किया।

इस आयोजन के महत्व को रेखांकित करते हुए EOAI ने बताया कि मुंबई तेज़ी से अरोमा उद्योग के एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जहां विभिन्न क्षेत्रों में एसेंशियल तेलों, फ्रेगरेंस और फ्लेवर इंग्रीडिएंट्स की मांग लगातार बढ़ रही है। एसोसिएशन ने यह भी उल्लेख किया कि यह उद्योग पारंपरिक उपयोगों के साथ-साथ परफ्यूमरी, कॉस्मेटिक्स, आयुर्वेद, फूड प्रोसेसिंग और वेलनेस जैसे क्षेत्रों में भी तेज़ी से विस्तार कर रहा है।

इस आयोजन में एसेंशियल तेल, फ्रेगरेंस कंपाउंड्स, फ्लेवर इंग्रीडिएंट्स, अरोमा केमिकलस, अगरबत्ती, कॉस्मेटिक्स और संबंधित क्षेत्रों से जुड़ी कंपनियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। प्रदर्शनी क्षेत्र में विभिन्न उत्पादों और नवाचारों की व्यापक झलक प्रस्तुत की गई, जो अरोमा उद्योग के बदलते परिदृश्य को दर्शाती है।

यह कांग्रेस उद्योग से जुड़े पेशेवरों के लिए एक जीवंत मंच साबित हुई, जहां उन्होंने आपसी संपर्क बढ़ाया, सहयोग के नए अवसर तलाशे और वैश्विक अरोमा इंग्रीडिएंट्स बाज़ार में उभरती संभावनाओं को समझा। प्रदर्शनी में एसेंशियल तेल, अरोमा केमिकल्स, फ्रेगरेंस कंपाउंड्स, अगरबत्ती उत्पादों और कच्चे माल की विविध रेंज प्रदर्शित की गई।

इंडस्ट्री अकादमिक सहयोग रहा मुख्य आकर्षण

इस आयोजन का एक महत्वपूर्ण आकर्षण एसेंशियल ऑइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (EOAI) और IIT इंदौर के बीच समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर रहा, जो अरोमा क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को मज़बूत करने की दिशा में एक अहम कदम है।

इस सहयोग का उद्देश्य उन्नत अनुसंधान और तकनीकी विशेषज्ञता के माध्यम से अरोमा केमिकल्स, फ्रेगरेंस और फ्लेवर इंग्रीडिएंट्स के विकास को बढ़ावा देना है। इस पहल के तहत IIT इंदौर में एक विशेष परफ्यूमरी प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने की योजना भी बनाई जा रही है, जो कुशल पेशेवरों को तैयार करेगा और उद्योग की एसेंशियलताओं तथा शैक्षणिक ज्ञान के बीच की खाई को पाटेगा। यह रणनीतिक साझेदारी उद्योग में नवाचार, शिक्षा और दीर्घकालिक क्षमता निर्माण पर बढ़ते फोकस को दर्शाती है, जो भारत को अरोमा इंग्रीडिएंट्स और फ्रेगरेंस उद्योग में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में और मज़बूत करती है।

EOAI ने यह भी बताया कि भारतीय अरोमा उद्योग रोज़गार सृजन और निर्यात वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिससे यह देश की आर्थिक प्रगति में एक अहम योगदानकर्ता बनता जा रहा है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती मांग और प्राकृतिक एवं टिकाऊ उत्पादों पर बढ़ते ज़ोर के साथ भारत अंतरराष्ट्रीय अरोमा इंग्रीडिएंट्स बाज़ार में अपनी मज़बूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

यह आयोजन एसेंशियल तेल, फ्रेगरेंस हाउसेज़ और कॉस्मेटिक्स, आयुर्वेद, फूड प्रोसेसिंग, वेलनेस, अगरबत्ती और पान मसाला उद्योग के बीच बढ़ते तालमेल को भी दर्शाता है, जिसमें प्रमुख कंपनियों और उद्योग से जुड़े हितधारकों की मज़बूत भागीदारी देखने को मिली।

Scents &

REDIENTS CONG
n in Esse
ORGANISER

AJMAL AROMATICS PVT. LTD.

Karomas Aromatics
www.karomasaromatics.in

RESERVED

Essential Oil Association

RESERVED

NOREX FLAVOURS &
FRAGRANCES

Essential Oil Association of India

Essential Oil Association of India

18
RICH AROMAS
19

नेचुरल का बोलबाला था, है और रहेगा: योगेश दुबे

46 देशों में नेचुरल ऑयल एक्सपोर्ट, भारत की बढ़ती ग्लोबल पकड़

राकेश संदल इंडस्ट्रीज़ नेचुरल एसेंशियल ऑयल, स्पाइस ऑयल, अरोमाथेरेपी ऑयल, इत्र, कैरियर ऑयल और हर्बल एक्सट्रेक्ट आदि का निर्माण और खाड़ी समेत विश्व के 46 देशों में निर्यात करती है।

योगेश जी ने इज़राइल-अमेरिका-ईरान वॉर का सुगंध इंडस्ट्री पर पड़ने वाले असर के बारे में बात करते हुए कहा कि इसका बहुत बड़ा इंपैक्ट पड़ा है। गल्फ एक सेंट्रल प्वाइंट है। सारा कुछ गल्फ से होकर ही गुज़रता है। वहां के सभी एयरपोर्ट बंद हैं।

राकेश संदल इंडस्ट्रीज़ नेचुरल एसेंशियल ऑयल, स्पाइस ऑयल, अरोमाथेरेपी ऑयल, इत्र, कैरियर ऑयल और हर्बल एक्सट्रेक्ट आदि के बड़े निर्माताओं में से एक है। कानपुर के आज़ादनगर स्थित इस कंपनी की स्थापना 1970 में हुई थी। कंपनी के निदेशक योगेश दुबे ने टोबैको प्लस को बताया कि इसकी नींव उनके पिताजी ने रखी थी। आज 86 वर्ष की उम्र में भी वह उतने ही सक्रिय हैं। अभी भी वे रोज फैक्ट्री जाते हैं। उनके ही नेतृत्व व दिशा निर्देश में हम सब काम कर रहे हैं। राकेश संदल इंडस्ट्रीज़ नेचुरल एसेंशियल ऑयल, स्पाइस ऑयल, अरोमाथेरेपी ऑयल, इत्र, कैरियर ऑयल और हर्बल एक्सट्रेक्ट आदि का निर्माण और खाड़ी समेत विश्व के 46 देशों में निर्यात करती है।

आईएसओ प्रमाणित यह कंपनी भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्टार एक्सपोर्ट हाउस है, जो अपनी गुणवत्ता के लिए जानी जाती है। खुशबू और फ्रेगरेंस इंडस्ट्री में दशकों का अनुभव रखने वाले योगेश जी के पास विज़न और प्रैक्टिकल एक्सपर्टीज़ दोनों है। उनके पिताजी ने मलेशिया, थाइलैंड आदि देशों में कंपनी का काम बढ़ाया। अब राकेश संदल इंडस्ट्रीज़ को लीड करते हुए, उन्होंने कंपनी को ब्राजील से लेकर कंबोडिया तक 46 से ज़्यादा देशों में फैलाया है। प्रीमियम रॉ मटीरियल सोर्स करने से लेकर वर्ल्ड-क्लास ब्लेंड बनाने तक के उनके सफ़र ने इंडस्ट्री के बड़े डायनामिक्स की उनकी समझ को बढ़ाया है।

आज राकेश संदल इंडस्ट्रीज़ फ्रेगरेंस, पान मसाला, टोबैको, कॉस्मेटिक्स व फार्मा इंडस्ट्री को क्वालिटी बेस्ड नेचुरल एसेंशियल ऑयल विश्व के 46 से अधिक देशों में निर्यात करती है। कंपनी के पास रिसर्च के लिए अपनी खुद की लेब्रोट्री है जिसमें सारे स्टैंडर्ड मानक फॉलो करते हुए दुनिया के पैरामीटर के अनुसार क्वालिटी प्रोडक्ट तैयार करती है। इसी विश्वसनीयता की वजह से आज दुनिया भर में सात हज़ार से अधिक ग्राहक हैं। योगेश जी ने टोबैको प्लस से कहा कि उनके पास केमिकल का बहुत कम काम है। सिंथेटिक का कोई पैरामीटर नहीं होता है बस उसमें खुशबू का ख्याल रखा जाता है। उन्होंने दावा किया कि नेचुरल का बोलबाला हमेशा रहेगा। इसका स्थान कोई भी नहीं ले सकता।

योगेश जी के अनुसार खुशबू और फ्लेवर की दुनिया जितनी साइंस से जुड़ी है, उतनी ही आर्टिस्ट्री से भी जुड़ी है। यह इंडस्ट्री इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी और ग्लोबल एम्बिशन से आगे बढ़कर बहुत ज़्यादा ग्रोथ के लिए तैयार है। फ्रेगरेंस एंड फ्लेवर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (फफाई) के अध्यक्ष रह चुके योगेश जी के अनुसार भारतीय सुगंध इंडस्ट्री का भविष्य बेहद खुशबूदार है। कंज्यूमर की बढ़ती इनकम, बढ़ते वेलनेस और पर्सनल केयर मार्केट और नेचुरल, ऑथेंटिक प्रोडक्ट्स के लिए बढ़ती ग्लोबल डिमांड ने भारत की फ्रेगरेंस और फ्लेवर इंडस्ट्री के लिए सफलता का नया द्वार खोल दिया है। इससे घरेलू कंपनियों को दुनिया भर में अपनी पहचान बनाने के बहुत सारे मौके मिल रहे हैं। हालांकि अभी भी भारतीय सुगंध इंडस्ट्री की क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं हो रहा है।

फफाई के इतिहास में उत्तर प्रदेश से पहले प्रेसिडेंट रहे योगेश जी का दावा है कि भारत की खुशबू और फ़्लेवर इंडस्ट्री एक अहम दौर में जा रही है। भारत की खुशबू इंडस्ट्री दुनिया भर में अपनी पहचान बनाने की राह पर है, और अपनी सदियों पुरानी खुशबूदार विरासत को एक मॉडर्न सक्सेस स्टोरी में बदल रहा है। कोलेबोरेशन, नॉलेज-शेयरिंग, और एक्सीलेंस के लिए मिलकर किया गया कमिटमेंट ही इंडस्ट्री के भविष्य की चाबी हैं। उनका सपना है कि भारत की नैचुरल एसेंशियल ऑयल की विरासत को बढ़ावा देकर देश को असली खुशबू में ग्लोबल लीडर बनाया जाए। इंडिया के पास जो नेचुरल है वह दुनिया में कहीं भी नहीं है। हमारे पड़ोसी देशों बांग्लादेश, नेपाल, बर्मा, भूटान तथा श्रीलंका आदि के रॉ मैटेरलियल को भी इंडिया ही कंट्रोल करता है।

योगेश जी ने इज़राइल-अमेरिका-ईरान वॉर का सुगंध इंडस्ट्री पर पड़ने वाले असर के बारे में बात करते हुए कहा कि इसका बहुत बड़ा इंपैक्ट पड़ा है। गल्फ एक सेंट्रल प्वाइंट है। सारा कुछ गल्फ से होकर ही गुजरता है। वहां के सभी एयरपोर्ट बंद हैं। ऐसे में न तो माल जा पा रहा है और न ही आ पा रहा है। जो माल जा भी रहे हैं तो पांच छह गुना अधिक पेमेंट देना पड़ रहा है। सरकार के अरोमा मिशन की तारीफ करते हुए योगेश जी ने संदल नीति को लेकर सरकार से पुनर्विचार का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 90 के दशक की परिस्थितियां अलग थी। उस वक्त संदल ऑयल को लेकर जो नीतियां बनी थी वह आज के परिप्रेक्ष्य में हितकर नहीं है। आज काफी कुछ बदल गया है। आस्ट्रेलिया से लकड़ी लाकर हम दूसरे देशों में डिस्टीलेशन करते हैं और आखिरकार वहां से चंदन ऑयल देश में आता ही है। इससे बेहतर है कि सरकार इस पर से रोक हटाये जिससे आस्ट्रेलियाई चंदन का यहीं पर डिस्टीलेशन हो।

इससे हमारा पैसा विदेशों में जाने से रुकेगा, अपने लोगों को रोज़गार मिलेगा साथ ही देश आर्थिक रूप से और भी अधिक संपन्न होगा। अगले पांच वर्षों में अपनी योजनाओं के बारे में उन्होंने बताया कि टेक्नोलॉजी और वक्त के हिसाब से क्वालिटी प्रोडक्ट के साथ आगे बढ़ेंगे। पहले कंपनी बीटूबी काम करती थी अब हम अपने ब्रांड के साथ पूरी दुनिया में जा रहे हैं। उनके भतीजे गौरांग और दो बेटे, कार्तिक व कौशिक तथा बहू पूर्वा मिलकर कंपनी को और नई ऊंचाइयां प्रदान करने में जुटे हैं। उनकी बहू पूर्वा एक बड़े परफ्यूमर घराने से आती हैं। फ्रूक का काम वही देखती हैं। उन्होंने बताया कि अरोमा थेरेपी के तहत ऐसी खुशबू पर काम हो रहा है जिसकी खुशबू अंतरिश में भी कारगर हो और इनकी मदद से अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य की देखभाल हो सके।

JK
CRAFTED
TO PERFECTION
Classic
Qiwam
J.J.K. ZARDA PAN PRODUCTS
किवाम
नवजीवन
स्पेशल
JUHI
QIWAM
J.J.K. ZARDA PAN PRODUCTS
D-136-137,Sector-63,Noida-201301 (U.P.) INDIA
Email:-info@jjkzarda.com Website: www.jjkzarda.com
CUSTOMER CARE NO.: +91-75039 33333
CONTAINS ADDED FLAVOURS
NOT FOR MINORS

Jaandaar Logon ki Shaandar pasand
RR GROUP
HMD
Premium
PAN MASALA
CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH
NEW PACK
24 carat
PAN MASALA
RR
PAN MASALA
NO TOBACCO | NO NICOTINE
FAMOUS
PAN MASALA
केसर युक्त
आर आर
1000
पान मसाला
(0% TOBACCO, 0% NICOTINE)
₹10/-
ROSERATAN
PAN MASALA
Symbol of Love
RR GROUP
RED ROSE GROUP OF COMPANIES
Corporate Office: LCH-65, Edi Bazar, Hyderabad-500023,
Telanga State, India. Email: mktg@redrosegroup.in
Telephone: 040-29554000
RR PAN MASALA
RR PRODUCTS
Mailardevpally Village, Plot No. 5 to 7, Rajendranagar,
Hyderabad-500030, Email: mktg@redrosegroup.in
Mob.: +91-9333333700
rrpanmasala
CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH I NOT FOR MINORS I NO TOBACCO I NO NICOTINE

Tobacco Plus E-Magazine

India's No. 1 Magazine for the Tobacco, Pan Masala & Fragrance Industry

Stay Updated

with the latest news, insights & trends from the tobacco, pan masala, mouth freshener, and fragrance sectors.

SUBSCRIPTION PLANS

1 Year (12 Issues)	Rs.200	3 Years (36 Issues)	Rs. 325
2 Years (24 Issues)	Rs.275	Lifetime:	Rs.2000

To Subscribe:

1. Scan the QR code
2. Share payment screenshot with your postal address & WhatsApp number at **9999431555**

Deals in

Natural Essential Oil

Aromatics Chemical

&

PERFUMERY COMPOUNDS

DIKSHA ENTERPRISES

53/31, Radha Krishna Market, 2nd Floor, Naya Ganj, Kanpur-01

Email: dikshaenterprises333@gmail.com

Mobile: 9235293333; 9455371823 (Jeetu Gupta)

माला

स्वाद की परंपरा में सर्वश्रेष्ठ...

Trade Enquiry: 09415225529

Manufactured by: **MALA FLAVOURS & FRAGRANCES**

P-5, BIG INDUSTRIAL ESTATE, CHANDPUR, VARANASI 221106 (U.P.)

Web: www.malagroupindia.com | **Email:** malagroupindia@gmail.com | **Customer Care:** 0542-2371050

डिमांड बूम, सप्लाइ क्रैश:
नागरमोथा संकट

घटती पैदावार और बढ़ती मल्टी-इंडस्ट्री डिमांड ने नागरमोथा को बना दिया है एक "हाई-वैल्यू, हाई-प्रेशर" कमोडिटी—जिसका सीधा असर पान मसाला से लेकर ग्लोबल परफ्यूम मार्केट तक दिखाई दे रहा है।

देश के औषधीय एवं सुगंधित पौधों में शामिल नागरमोथा (अखरोट घास) ने पिछले कुछ वर्षों में एक बड़ा परिवर्तन देखा है। जो पौधा कभी एक साधारण खर-पतवार के रूप में नजरअंदाज किया जाता था, वही आज एक उच्च मूल्य वाली औद्योगिक फसल के रूप में स्थापित हो चुका है। पान मसाला, तंबाकू, फार्मास्यूटिकल्स, कॉस्मेटिक्स और फ्रेगरेंस उद्योग में इसकी बढ़ती मांग ने इसे किसानों और कारोबारियों—दोनों के लिए एक लाभकारी विकल्प बना दिया है।

हालांकि, चालू वर्ष में इसकी पैदावार में आई गिरावट ने बाजार संतुलन को स्पष्ट रूप से प्रभावित किया है। उत्पादन में कमी और मांग में निरंतर वृद्धि के कारण नागरमोथा ऑयल की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, जहां पिछले वर्ष इसका भाव ₹18,000–19,000 प्रति किलो था, वहीं अब यह बढ़कर ₹24,000–25,000 प्रति किलो तक पहुंच गया है—जो बाजार में बढ़ते डिमांड-सप्लाई गैप का सीधा संकेत है।

यह तेजी से बदलता मूल्य परिदृश्य इस बात को दर्शाता है कि नागरमोथा अब केवल एक कृषि उत्पाद नहीं, बल्कि एक रणनीतिक इंडस्ट्रियल इनपुट बन चुका है। खासकर पान मसाला और तंबाकू उद्योग, जहां इसका उपयोग सुगंध और स्वाद के लिए लगभग अनिवार्य हो गया है, वहां इसकी मांग सबसे अधिक बनी हुई है। इसके अलावा फ्रेगरेंस, अगरबत्ती, कॉस्मेटिक्स और फार्मास्यूटिकल सेक्टर भी इसकी खपत को लगातार बढ़ा रहे हैं, जिससे यह एक मल्टी-इंडस्ट्री डिमांड ड्रिवन प्रोडक्ट बन गया है।

खपत (Consumption Pattern)

नागरमोथा ऑयल की खपत विभिन्न उद्योगों में इस प्रकार मानी जाती है:

- पान मसाला व तंबाकू उद्योग: 35–40%
- फ्रेगरेंस व परफ्यूम इंडस्ट्री: 20–25%
- अगरबत्ती व धूप उद्योग: 15–20%
- फार्मास्यूटिकल व आयुर्वेद: 10–15%
- कॉस्मेटिक्स (साबुन, शैंपू आदि): 5–10%

नागरमोथा ऑयल का उपयोग पान मसाला और जर्दा में फ्लेवरिंग के रूप में होता है, जबकि तंबाकू उत्पादों में यह उपभोक्ता अनुभव को बेहतर बनाता है। फ्रेगरेंस इंडस्ट्री में इसे "बेस नोट" के रूप में विशेष महत्व प्राप्त है, वहीं आयुर्वेदिक और यूनानी चिकित्सा में इसके औषधीय गुण इसे और अधिक मूल्यवान बनाते हैं। इसके औषधीय गुण भी इसकी मांग को मजबूती देते हैं। एंटीसेप्टिक और एंटी-एंग्जायटी विशेषताओं के कारण यह तनाव और बेचैनी को कम करने में सहायक माना जाता है। यही कारण है कि आयुर्वेद और यूनानी जैसी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। खेती के स्तर पर नागरमोथा किसानों के लिए एक उभरता हुआ अवसर बन चुका है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल में इसकी व्यावसायिक खेती तेजी से बढ़ रही है। लगभग तीन वर्षों में तैयार होने वाली यह फसल पारंपरिक फसलों की तुलना में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखती है, जिससे यह एक आकर्षक वैकल्पिक फसल के रूप में सामने आई है।

प्रसंस्करण की दृष्टि से कन्नौज नागरमोथा ऑयल उत्पादन का प्रमुख केंद्र बना हुआ है, जहां इत्र उद्योग की पारंपरिक विशेषज्ञता आज भी इस सेक्टर को मजबूती प्रदान कर रही है। अन्य राज्यों में भी डिस्टिलेशन यूनिट्स सक्रिय हैं, जहां इसकी जड़ों से तेल निकाला जाता है। वैश्विक स्तर पर भी नागरमोथा की मांग मजबूत बनी हुई है। खाड़ी देशों और फ्रांस जैसे यूरोपीय बाजारों में इसका उपयोग विशेष रूप से हाई-एंड परफ्यूम इंडस्ट्री में किया जाता है। कुल उत्पादन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा निर्यात किया जाता है, जिससे देश को विदेशी मुद्रा अर्जित होती है।

निर्यात (Export Markets)

- खाड़ी देश (UAE, Saudi Arabia आदि)
- फ्रांस (हाई-एंड परफ्यूम इंडस्ट्री)
- अन्य यूरोपीय बाजार
- अनुमानित निर्यात हिस्सेदारी: 25–30% उत्पादन

हालांकि, उत्पादन में गिरावट और बढ़ती मांग के चलते उद्योग के सामने कई चुनौतियां भी उभर रही हैं। कीमतों में अस्थिरता, डिमांड-सप्लाई गैप और संगठित डेटा की कमी जैसे मुद्दे बाजार को प्रभावित कर रहे हैं।

इन परिस्थितियों में नागरमोथा एक ऐसा उत्पाद बन चुका है जो किसानों, उद्योग और निर्यातकों—तीनों के लिए रणनीतिक महत्व रखता है। यदि इसकी खेती, प्रोसेसिंग और सप्लाई चेन को व्यवस्थित रूप से विकसित किया जाए, तो यह न केवल बाजार को स्थिर कर सकता है, बल्कि भारत को वैश्विक सुगंध और औषधीय बाजार में और मजबूत स्थिति में स्थापित कर सकता है।

इंडस्ट्री आउटलुक (Industry Outlook)

- नेचुरल और हर्बल उत्पादों की बढ़ती मांग से खपत और बढ़ने की संभावना
- पान मसाला और फ्रेगरेंस उद्योग आगे भी डिमांड को ड्राइव करेंगे
- खेती और प्रोसेसिंग में निवेश बढ़ाने की आवश्यकता

Prabhat Products | Consumer Care Cell : 0120-4088118 Email : info@ratnazarda.com

Packaging & Promotion

Amasann Print
Think • Design • Develop

40 YEARS IN MAKING

Metalized Printing • Hologram Mono Carton & Coupon • Dangler • Hanger • Sticker • Flyer • Poster • Rough Pad
Pen • Wall Calender • Table Calender • Diary • Paper Carry Bag • Standee • Canopy • Foam Banner • Stepney Cover
Umbrella • Rain Coat • College Backpack • Canvas & Non-Woven Printed Bag • Key Chain

Amasann Print
Think • Design • Develop

A: Naraina Industrial Area,
New Delhi - 110028
M: (+91) 98103 29003, (+91) 97736 64163
E: amasannprint@gmail.com

RADHIKA®
Meethi Shuruaat
Kahin Bhi Kabhi Bhi
OPEN ZIP LOCK & CUT INNER MEMBRANE
₹10/-
RADHIKA®
SUPARI
MOUTH FRESHENER
KESAR SCENTED
OPEN ZIP LOCK & CUT INNER MEMBRANE
₹5/-
RADHIKA®
SUPARI
MOUTH FRESHENER
KESAR SCENTED
BUSINESS INQUIRY
+91-33-25260040
E : info@radhikasweetsupari.com
W : www.radhikasweetsupari.com

IMPERIAL

SINCE ✦ 1948

A TRADITION OF EXCELLENCE

IN FINE SCENTS AND DELECTABLE FLAVORS

Zarda, Pan Masala, Khaini, Gudaku, Kiwam, Cosmetics, Toiletries, Household Products, Fine Fragrances, Mukhalats, Agarbatti, Bakhoor, Aromatherapy, Candles, Mouth Freshner, Pan Chatni, Snuff, Supari

31 DR SISIR KUMAR BOSE SARANI BHAWANIPORE KOLKATA - 700020

Follow Us :

imperial@imperialfragrances.com

www.imperialfragrances.com

ESTD.1896

Pious of Fragrances since, 1896

S.Md.Ayub Md. Yaqub (Perfumers) Pvt. Ltd.

SUCCESSOR : MALIK PERFUME INDUSTRIES, KANNAUJ

EXPORTERS, IMPORTERS & MANUFACTURING-PERFUMES

Late Shri S.A. Malik
Founder: S.Md. Ayub Md. Yaqub (Perfumers) Pvt. Ltd.

FAUZAN MALIK
Mobile: 09415147019

KHUSROO MALIK
Mobile: 09999999766

ABDULLAH MALIK
Mobile : 9005386660

Our World Famous Perfumes

• Shamamtul Amber • Hina • Keora • Gulab • Motia • Ruh Khus • Ruh Gulab • Ruh Keora • Mohsin Shamama • Fauzan Shamama • Malik Shamama etc.

KANNAUJ - Ph. : (05694) 234370 - 234204 - 234267
Fax : (05694) 234417, 234267
E-mail : fauzan.malik@yahoo.co.in • khusroomalik@fastmail.in

पान की शान,
मसाले की जान
KANAK
KABIR
KABIR
KANAK
SUPER
XX
X
DELUXE
स्वाद जो याद रहे
FOR TRADE ENQUIRY : 8130646900
Mfg. by: KASHI VISHWANATH MFG. Varanasi
STATUTORY WARNING: CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH. NOT FOR MINORS.

RAIS ALI (Director)

MANUFACTURERS OF

INDIAN ATTARS

- Hina
- Shamama
- Motia
- Mitti
- Mehndi
- Gulab
- Kewra Keora

RUH

- Ruh Gulab
- Ruh Kewra
- Ruh Khus
- Ruh Paan

ESSENTIAL OIL

- Sandal Wood Oil
- Nagarmotha
- Sughand Mantari
- Kapoor Kachri
- Sughand Bala etc.

COMPOUNDS

- Sweet Supari
- Gutkha
- Zarda
- Agarbatti

SSUMRA F&B PVT. LTD.

H.O. 225, KA, Hajiganj Kala, Kannauj | **Corp. Office:** ALEXANDRA C104, Grand Omaxe Secter 93B. NOIDA

Mob: 7860319378, 7860966542

Email: ssumrapvt@gmail.com

CASH है
तो ऐश है
$
Premium
CASH
GOLD
ELAICHI
$
प्रीमियम
कैश
गोल्ड
ईलायची
cashgoldofficial
Images used for representation purpose only

R.B. TECHNOLOGY
FARIDABAD, HARYANA, INDIA
Office: Plot No. 392, Mirzapur Tigon Road, Ballabgarh, Faridabad - 121004, Haryana, India
+91 7428069811, +91 8586802173
info@rbtechnology.co.in, rbtechnologyharyana@gmail.com www.rbtchnology.co.in

NO TOBACCO NICOTINE
CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH NOT FOR MINORS
cashgoldofficial

ATTAR KEWRA
ATTAR GULAB
SHAHAB SHAMAMA
RUH KHUS
CELEBRATING 50 YEARS ANNIVERSARY
1974
2024
1 FIRST IN INDIAN ATTARS
Quality Aromatics
Manufacturer & Exporter of
High Class Indian Attars & Natural Essential Oils Etc.
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY
HEAD OFFICE : JAME MASJID ROAD, KANNAUJ- 209725 (U.P.) INDIA
Mobile :- 9415146904, 9005546904, 8564803588 | E-mail:- qualityaroma@yahoo.com

Rooh Gulab
Rooh Kewda
Rooh Zafari
Rooh Khus
Manufacturers of
Natural Essential Oil & Indian Attar
Ruh Gulab, Ruh Kewda, Ruh Zafari, Khus &
Pan Masala Components etc.
Trade Enquiry: 9454146377 (Udit Mishra)
UDIT ENTERPRISES
123/499 Fazalganj Industrial Area, Kanpur (UP)-208012
Email: infoudit23@gmail.com

Bejod Khushboo
Bejod Swad
R
PARAS
PAN MASALA
Choose Your Pack!
NO NICOTINE NO TOBACCO
CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH. NOT FOR MINORS.
BUSINESS INQUIRY :
+91-33-25260030 | feedback@parasgroup.net.in

SIGNAL®

BREK®

CANDY

Chatkara Rasila

R. A. PERFUMERY WORKS PVT. LTD.
78, Madan Mohan Burman Street, Kolkata - 700007

Trade Enquiry :
Ph. +91 33 4007 4712
email- info@rapsignal.com
www.rapsignal.com

JMV GROUP

GOOD SERVICE IS GOOD BUSINESS

Deals in:

Importers, Indenters and Whole Paper Merchants

- MG Poster / Interlabling Paper
- LWC Paper / C2S Paper / Art Paper
- Uncoated Paper / Matt Paper
- Sandwich Paper / Two Side Coated Paper
- Chromo Paper / C1S Paper / Lable Paper
- Light Coated Paper / Light Uncoated Paper

+91-7303853444 www.jmvgroup.co.in info@jmvgroup.co.in

सहारनपुर मार्केट रिपोर्ट

ब्रांडों की किल्लत से जूझ रहा सहारनपुर

पान मसाला के लिहाज से पश्चिमी उत्तर प्रदेश का सहारनपुर बहुत अच्छा तो नहीं लेकिन ठीकठाक मार्केट कहा जा सकता है। इसकी वजह है कि अन्य शहरों की अपेक्षा यहां अभी भी जर्दा पान का चलन है। पान दुकाने तो हैं ही लोगबाग घरों में भी पानदान रखते हैं। इस शहर में कई सारी पान दुकानें तो इतनी मशहूर हैं कि लोगबाग दूर दूर से यहां पान खाने आते हैं। बहरहाल, पान मसालों की बात करें तो यहां पांच रुपये का ट्रेंड है। दरअसल, सहारनपुर जिले का ज्यादातर हिस्सा देहात है। इसके कारण अधिकतर आबादी ग्रामीण क्षेत्र में रहती है। यही कारण है कि 10 या 20 रुपये वाले जंबो पैक के बजाय लोग 5 रुपये की श्रेणी को ही प्राथमिकता देते हैं। ऐसे में जाहिर है कि पान मसाला के लिहाज से सहारनपुर को बहुत अच्छा मार्केट तो नहीं लेकिन ठीकठाक कहा जा सकता है।

कोढ़ में खाज यह कि नये टैक्सेशन के बाद मार्केट में ब्रांडों की जबर्दस्त किल्लत चल रही है। टोबैको प्लस ने मार्केट सर्वे में पाया कि अभी भी कई सारे ब्रांडों की सप्लाई दुरुस्त नहीं हो पाई है। यहां तक कि अभी हाल ही में लांच हुए गगन व राजश्री की भी सप्लाई सुचारू नहीं है। राजश्री यहां पांच रुपये की एमआरपी में लांच हुआ है। पाउच में मसाले की क्वांटिटी 2.4 ग्राम है जबकि इसी कंपनी के प्रमुख उत्पाद कमला पसंद की क्वांटिटी दो ग्राम है। मार्केट सर्वे के दौरान जानकारों ने बताया कि डिमांड एन सप्लाई के बीच गहरा फासला होने की वजह से ब्रांडों को लेकर एक तरह से मारामारी चल रही है। नंबर एक पर बिकने वाले ब्रांड रजनीगंधा से लेकर दिलबाग तक सबका शॉर्टेज चल रहा है। हालांकि विमल की सप्लाई डिमांड के अनुसार पूरी है। कमला पसंद भी धीरे-धीरे आना शुरू हो गया है। विमल पहले 2.8 ग्राम का आता था लेकिन नये टैक्सेशन के बाद घटकर अब मसाले की क्वांटिटी 2.2 ग्राम हो गई है। जोड़ी में चार रुपये का मसाला और दो रुपये का जर्दा है लेकिन पांच रुपये में ही बिक रहा है। बहरहाल, विमल व रजनीगंधा को छोड़कर अच्छे अच्छे ब्रांडों तक की सप्लाई अभी प्रॉपर तरीके से नहीं हो पा रही है। कमला पसंद की भी सप्लाई अभी हाल ही से होनी शुरू हुई है।

टोबैको प्लस के मार्केट सर्वे में यह साफ देखने को मिला कि यहां के नंबर वन ब्रांड दिलबाग और कमला पसंद हैं। इनमें एक दूसरे से आगे बढने के लिए जबरदस्त होड़ रहती है। फिलहाल कौन सा ब्रांड नंबर एक है कहना मुश्किल है। उल्लेखनीय है कि दिलबाग का यहां दशकों से जबर्दस्त मार्केट व दबदबा है लेकिन कमला पसंद भी अपनी उम्दा क्वालिटी व बेहतर स्वाद के बलबूते दिलबाग को कड़ी टक्कर दे रहा है। प्रीमियम में रजनीगंधा

की धाक पहले की ही तरह जमी हुई है। हालांकि इसकी बिक्री बस शहर व कस्बों तक ही सीमित है। ऐसे में कंजम्पशन कितना है यह कहना मुश्किल है। दरअसल, ग्रामीण इलाकों में प्रीमियम का चलन न के बराबर है।
यहां के प्रमुख ब्रांड दिलबाग ने अपने प्रीमियम ब्रांड सिग्नेचर को मार्केट के रुझान के हिसाब से 5 रुपये की श्रेणी में डाला था लेकिन उसे यहां उस तरह की सफलता नहीं मिली जिस तरह देश की अन्य मंडियों में मिली हुई है। सिग्नेचर को पहले 10 रुपये के पाउच में यहां डाला गया था लेकिन यहां प्रीमियम का मार्केट अन्य मंडियों की तुलना में कम है। यही वजह है कि सिग्नेचर को पांच रुपये की श्रेणी में डाला गया था। यहां लोग क्वालिटी तो चाहते हैं लेकिन अपने बजट के अनुसार। यही कारण है कि यहां 10 और 20 रुपये वाले पाऊच के बजाय पांच रुपये वाले पाऊच चलन में हैं। 5 रुपये की श्रेणी में यहां दिलबाग, कमला पसंद, बाहुबली, विमल, तानसेन, शिखर तथा पान बहार क्रिस्टल की बाजार में अच्छी उपस्थिति और कटिंग है।

दिलबाग व कमला पसंद सबसे पसंदीदा ब्रांड

टोबैको प्लस की ओर से किये गये मार्केट सर्वेक्षण में यह तथ्य उभरकर आया कि दिलबाग व कमला पसंद यहां के पसंसदीदा ब्रांड है। इन दोनों ब्रांडों में फिलहाल कौन आगे है और कौन पीछे कह पाना बेहद मुश्किल है। मार्केट में एक दूसरे से आगे बढने के लिए दिलबाग और कमला पसंद में होड़ मची है। नतीजा दोनों ब्रांडों के बीच कड़ी टक्कर है। दिलबाग की कम सप्लाई का फायदा कमला पसंद उठाने की फिराक में नजर आ रहा है क्योंकि उसकी सप्लाई धीरे-धीरे ठीक होने की स्थिति में है। बाहुबली ने भी यहां अपनी अच्छी जगह बनाई है। पीछे की तुलना में विमल भी काफी आगे निकल रहा है। यहाँ विमल 5000 की उपसतिथि है। इसकी कटिंग हो रही है। शिखर की भी कटिंग हो रही है। इस ब्रांड ने कम समय में अपनी क्वालिटी के दम पर यह स्थान प्राप्त किया है। पान बहार की भी बाजार में ठीकठाक मौजूदगी है। हालांकि टोबैको प्लस के मार्केट सर्वे में यह तथ्य उभरकर सामने आया कि सहारनपुर में मुख्य रूप से दिलबाग और कमला पसंद की ही खपत है। उसके बाद बाहुबली व विमल आदि की बिक्री है।

सामान्य से लेकर प्रीमियम जर्दा तक प्रचलित

अन्य शहरों की अपेक्षा सहारनपुर में अभी भी जर्दा पान का चलन है। पान दुकाने तो हैं ही लोगबाग घरों में भी पानदान रखते हैं। इस शहर में कई सारी पान दुकानें तो इतनी मशहूर हैं कि लोगबाग दूर दूर से यहां पान खाने आते हैं। पान के शौकीन सहारनपुर वालों खासकर मुस्लिम घरों में आज भी पानदान मिल जायेंगे। यहां पान की दुकाने हर गली मुहल्ले में हैं। इनमें कुछ बेहद मशहूर पान की दुकानें मुस्लिम बहुल इलाकों में हैं। इन पान दुकानों में सलमान पान, काला पान, रंगीला पान, नईम पान और रिजवान पान आदि दुकानें शामिल हैं। खास बात यह कि इन सभी दुकानों पर ब्रांडेड जर्दा व 1800 से 2000 रुपये प्रति किग्रा. तक का कत्था इस्तेमाल होता है। यहां पर गुरु, रत्ना 300, तुलसी 00, बाबा 120 और जेमनी जर्दा प्रचलन में है। सर्वाधिक मांग गुरु जर्दा का है। उसके बाद तुलसी 00 फिर रत्ना 300 और बाबा 120 की खपत है। गुरु जर्दा के दाम में वृद्धि के कारण गुरु लूज जर्दा भी खूब चलन में है। यह पान वालों को काफी सस्ता पड़ता है।

सफल खैनी का एकतरफा चलन

देहात क्षेत्र अधिक होने के कारण सहारनपुर में खैनी का मार्केट ठीकठाक है। यहां केपी समूह का उत्पाद सफल बिक्री के मामले में सबसे अधिक सफल है। वह यहां का नंबर वन ब्रांड है। स्थानीय उत्पाद हाथी गोला की उपस्थिति है लेकिन पहले की तुलना में बिक्री कम है। उसके बाद गोल्डेन खैनी व नेवला खैनी की मांग है। फिल्टर खैनी में चैनी तथा कूललिप्स की अच्छी डिमांड है।

शहर में ब्रांडेड पान चटनियों का बोलबाला

शहर की मशहूर पान दुकानों पर ब्रांडेड पान चटनियों की खपत है लेकिन ग्रामीण इलाकों के अधिकतर पान वाले अनब्रांडेड लोकल चटनियों का इस्तेमाल करते हैं। जिन ब्रांडेड चटनियों का चलन है उनमें बाबा की नौरतन, गोपाल की दिलखुश और करिश्मा गोल्ड का बोलबाला है।

स्वीट सुपारी में स्वीटी सुपारी का जलवा

स्वीट सुपारी में काफी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। यहां पहले चंचल, रोज व रितिक की अच्छी बिक्री थी लेकिन स्वीटी ने काफी अच्छा मार्केट तैयार किया है। यह 2 रुपये में एकतरफा बिक रही है। स्वीटी का प्लेसमेंट हर जगह है। डिस्ट्रीब्यूटर भी काफी मेहनत कर रहे हैं। इसके बाद रितिक रोज़ की अच्छी बिक्री है। इसी तरह बाबा ब्लैक सुपारी का भी प्रदर्शन काफी अच्छा है।

माउथ फ्रेशनर में पासपास और टुडे

माउथ फ्रेशनर में डीएस समूह का पासपास सर्वाधिक लोकप्रिय ब्रांड है। इसे हर उम्र वर्ग के लोगों के अलावा महिलाएं भी खूब पसंद करती हैं। माउथ फ्रेशनर में ही अंबाला का उत्पाद टुडे भी जोरदार चल रहा है। इसके अलावा बाबा इलायची व बाबा ब्लैक सुपारी की भी अच्छी बिक्री है। यहां एक प्रमुख बदलाव बनारसी पान लेकर आया है। 1 रुपये के सेगमैंट में वनारसी पान सहारनपुर में बड़ी तेजी से लोकप्रिय हुआ है। लगभग हर काउंटर पर इसकी जबर्दस्त मौजूदगी तो है ही बिक्री के मामले में भी इसकी स्थिति बेहतर है।

मेरठ मार्केट रिपोर्ट

जोड़ी में पांच रुपये का ट्रेंड

नई टैक्सेशन प्रणाली लागू होने के बाद मार्केट में पान मसाला ब्रांडों की आवक शुरू हो गई है लेकिन अभी भी पूरी तरह से मार्केट नॉर्मल नहीं हो पाया है। तमाम पान मसाला ब्रांडों की सप्लाई मांग के अनुरूप नहीं हो पा रही है। जिसका मुख्य कारण मशीनों पर हेवी सेस है। टोबैको प्लस को मार्केट सर्वे के दौरान मोदीनगर, मुरादनगर व मेरठ समेत पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में यही नजारा दिखा। उल्लेखनीय है कि पान मसाला के लिहाज से पश्चिमी उत्तर प्रदेश का मेरठ बहुत अच्छा मार्केट है। इस शहर में स्थित पान शॉप चेन नवाब-ए-पान ने अपनी अलग छाप छोड़ी है। रेगुलर पान मसालों के साथ ही यहां प्रीमियम पान मसालों की भी अच्छी डिमांड है। खासकर रजनीगंधा का अधिक बोलबाला है।

रेगुलर पान मसालों में जोड़ी में पांच रुपये का ट्रेंड है। इसी के साथ शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की पसंद भी अलग अलग है। मेन रनिंग ब्रांडों में कमला पसंद, दिलबाग, तानसेन, शिखर, विमल, पान बहार व बाहूबली और पान बहार क्रिस्टल हैं। दोनों प्रतिद्वंदी ब्रांडों दिलबाग और कमला पसंद के बीच एक दूसरे से आगे बढने की लगातार होड़ मची रहती है। टोबैको प्लस के मार्केट सर्वे के दौरान लोगों ने बताया कि यहां के नंबर वन ब्रांड दिलबाग की शॉर्टेज चल रही है जबकि कमला पसंद की सप्लाई अभी हाल ही में शुरू हुई है। एकमात्र रजनीगंधा और विमल ही है जिसकी सप्लाई पूरी है। बाकी सभी ब्रांडों को लगभग शॉर्टेज का सामना करना पड़ रहा है।

उल्लेखनीय है कि दिलबाग का यहां दशकों से जबर्दस्त मार्केट व दबदबा है लेकिन अपनी उम्दा क्वालिटी व बेहतर स्वाद के बलबूते कमला पसंद दिलबाग को कड़ी टक्कर दे रहा है। शहरों में जहां कमला पसंद के ग्राहकों की तादात कुछ अधिक है वहीं, देहात इलाकों में दिलबाग का दबदबा है। दोनों की बिक्री जबर्दस्त है। बिक्री के लिहाज से दोनों का मुकाबला बराबरी का है। ऐसा इसलिए क्योंकि एक शहर में बढ़त पर है तो दूसरा देहात में अपनी स्वाद का परचम फहराये हुए है। कमला पसंद व दिलबाग के बाद तीसरे नंबर पर तानसेन और इसके बाद शिखर, विमल और बाहुबली की बिक्री है।

प्रीमियम में रजनीगंधा का जलवा कायम

प्रीमियम में रजनीगंधा का एकतरफा साम्राज्य है। यहां रजनीगंधा का न तो नैनो पैक है और न ही 10 रुपये वाला पाउच। टोबैको प्लस ने अपने सर्वे के दौरान पाया कि प्रदेश के पूर्वांचल इलाके के विपरीत यहां रजनीगंधा का 4 ग्राम वाला पाउच चलन में है। इसके अलावा इसका जिपर व टिन पैक भी खूब बिकता है। एक तरह से 90 फीसदी प्रीमियम मार्केट पर रजनीगंधा काबिज है। बाकी के 10 प्रतिशत में पान बहार व नौरतन आदि हैं। नौरतन को फिलहाल यहां अन्य मंडियों की तरह कामयाबी नहीं मिल पाई है। उत्पाद की क्वालिटी भी बेहतर है और स्वाद भी उम्दा है साथ ही बाबा का नाम भी जुड़ा है फिर भी इसके आगे न बढ़ पाने के पीछे कहीं कोई और कारण तो नहीं इस पर कंपनी को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। मार्केट सर्वे के दौरान टोबैको प्लस को एक खास जानकारी मिली कि बाबा के जर्दा उत्पादों व इलायची तथा पान मसाला आदि के लिए अलग-अलग डिस्ट्रीब्यूटर हैं।

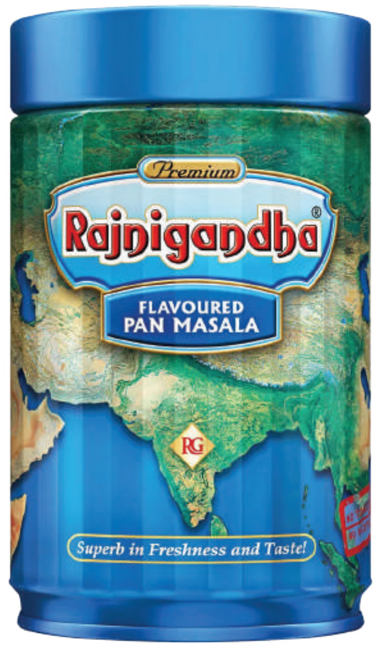

दिलबाग और कमला पसंद सबसे आगे

टोबैको प्लस की ओर से किये गये मार्केट सर्वेक्षण में यह तथ्य उभरकर आया कि दिलबाग व कमला पसंद यहां के सबसे लोकप्रिय ब्रांड हैं। इन दोनों ब्रांडों में फिलहाल कौन आगे है और कौन पीछे कह पाना बेहद मुश्किल है। दोनों के मार्केट शेयर में बस उन्नीस-बीस का ही फर्क है। मार्केट में एक दूसरे से आगे बढने के लिए दिलबाग और कमला पसंद में हमेशा होड़ मची रहती है। नतीजा दोनों ब्रांडों के बीच कड़ी टक्कर की स्थिति रहती है। नये टैक्सेशन के बाद से ही कम सप्लाई की वजह से बाहुबली के ग्राहकों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। कमला पसंद की भी शॉर्टेज थी लेकिन अभी कुछ दिनों से उसकी सप्लाई सुचारू हो गई है। विमल की सप्लाई पहले ही दुरुस्त हो गई है। तानसेन ने भी अपनी अच्छी जगह बनाई है। शिखर, विमल और बाहुबली का भी प्रदर्शन यहां बेहतर है। इन प्रमुख ब्रांडों के अलावा गगन भी मेरठ में अच्छा बिक रहा है। यह एसएनके का उत्पाद है। खैनी में यहां नेवला का एकछत्र राज है।

इसके बाद स्वागत की बिक्री है। रहीस तंबाकू की भी बिक्री ठीकठाक है। रहीस पीली पत्ती में भी है। रेडिमेड खैनी में सफल नंबर वन पर और कुबेर नंबर दो पर चल रहा है। इसी तरह जर्दा में जैमिनी की बिक्री व डिमांड सर्वाधिक है। इसी के साथ रवि का भी चलन है जबकि प्रीमियम में बाबा, तुलसी व रत्ना 300 का मार्केट है।

प्रीमियम जर्दा में बाबा, तुलसी व रत्ना

एक जमाने में यहां जर्दा की खपत जबर्दस्त होती थी। उस समय पेटियां की पेटियां बिकने वाली जर्दा की बिक्री वर्तमान में बहुत कम हो गई है। इसकी वजह पान के चलन में आई कमी है। पान की जगह पान मसालों ने ले ली। प्रीमियम पान मसालों के साथ कंज्यूमर आइटम के

रूप में बाबा 120 व तुलसी की बिक्री वर्तमान स्थिति के लिहाज से अच्छी कही जा सकती है। वैसे प्रीमियम जर्दा में बाबा 160, 120, तुलसी व रत्ना 300 की बिक्री है जबकि सामान्य में जेमिनी, रवि सादी पत्ती की डिमांड है।

सफल खैनी की बिक्री सबसे अधिक

कैंट क्षेत्र होने के कारण मेरठ में खैनी का मार्केट ठीकठाक है। रेडिमेड खैनी में यहां केपी समूह का उत्पाद सफल बिक्री के मामले में सबसे अधिक सफल है। वह यहां का नंबर वन ब्रांड है। दूसरे नंबर पर कुबेर है। हालांकि बिक्री के लिहाज से दोनों में बहुत ज्यादा अंतर है। चूने के साथ खाने वाली खैनी में नेवला ने अपना परचम फहरा रखा है। वह यहां एकतरफा बिकता है। लगभग 80 परसेंट खैनी मार्केट पर इसी का कब्जा है। बाकी के 20 प्रतिशत में स्वागत और रहीस की हिस्सेदारी है।

स्वीटी और बाबा ब्लैक की जोरदार बिक्री

स्वीट सुपारी मार्केट में स्वीटी ने अपनी बादशाहत कायम कर रखी है। 2 रुपये की एमआरपी में केसर सेंटेड स्वीट सुपारी ने किसी भी अन्य उत्पाद को यहां टिकने नहीं दिया है। स्वीटी ने यहां जबर्दस्त सफलता हासिल की है। इसका यहां एकतरफा साम्राज्य है। बाबा ब्लैक सुपारी भी खूब पसंद किया जा रहा है। पूरे स्वीट सुपारी मार्केट में बिक्री के लिहाज से स्वीटी और बाबा की हिस्सेदारी 80 से 90 प्रतिशत तक है। बाकी के मार्केट में रितिक, रोज व अन्य हैं।

माउथ फ्रेशनर

माउथ फ्रेशनर में डीएस समूह का पासपास सर्वाधिक लोकप्रिय ब्रांड है। यहां येलो वाले पासपास से अधिक रेड वाला बिकता है। इसे हर उम्र वर्ग के लोगों के अलावा महिलाएं भी खूब पसंद करती हैं। इसके अलावा पर्ल्स इलायची व बाबा इलायची की भी अच्छी बिक्री है। यहां एक प्रमुख बदलाव बनारसी पान लेकर आया है। 1 रुपये के सेगमेंट में बनारसी पान ने भी मेरठ में अच्छी मौजूदगी दर्ज कराई है।

विभिन्न उत्पादों की स्थिति

दिलबाग:

मेरठ के ग्रामीण इलाकों में इसकी स्थिति मुख्य ब्रांड के रूप में है। यह यहां काफी समय से इस पोजिशन पर काबिज है। पान मसाला मार्केट में इस ब्रांड का बिक्री शेयर प्रतिद्वंद्वी उत्पाद के बराबर ही है। हालांकि फिलहाल इसकी सप्लाई अभी भी दुरुस्त नहीं हो पाई है।

कमला पसंद:

दिलबाग भले ही यहां का मुख्य उत्पाद है लेकिन के पी समूह का कमला पसंद भी उसे बराबरी की टक्कर दे रहा है। शहरी इलाके में बिक्री के लिहाज से यह नंबर एक पर है। नये टैक्सेशन के बाद अब डिमांड के अनुसार मार्केट में ब्रांड उपलब्ध है।

तानसेन:

देश की कई मंडियों में अच्छा प्रदर्शन करने वाला यह उत्पाद यहां बिक्री के लिहाज से तीसरे नंबर पर है। अपनी स्थिति मजबूत बनाने के लिए कंपनी जोरदार मेहनत कर रही है।

शिखर:

पैन इंडिया ब्रांड बनने की ओर तेजी से अग्रसर शिखर ने भी यहां अपना अच्छा मार्केट तैयार किया है। बिक्री के लिहाज से यह यहां तानसेन से थोड़ा ही पीछे है। नया बदलाव यह है कि जोड़ी में तीन रुपये का मसाला और दो रुपये का जर्दा है।

विमल:

चूंकि दिलबाग व कमला पसंद यहां के स्थापित ब्रांड हैं। इस वजह से विमल को वह सफलता नहीं मिल पाई है जो इसे देश की अन्य मंडियों में हासिल है। यहां विमल 5000 की भरपूर सप्लाई है और मौजूदा समय में इसकी बिक्री में उच्छाल है।

बाहुबली:

इसका भी मार्केट में ठीकठाक प्लेसमेंट है। यहां इसकी स्थिति रनिंग ब्रांड के रूप में है। पूरी कोशिश के बावजूद इसके ग्रोथ में कुछ खास तब्दीली नहीं है।

रजनीगंधा:

प्रीमियम पान मसालों में रजनीगंधा का यहां एकछत्र साम्राज्य है। इसका मार्केट शेयर 90 फीसदी है और इसके प्रत्येक सेगमेंट की रिकार्डतोड़ बिक्री है।

टैक्सेशन का सरलीकरण चाहते हैं राकेश कुमार गांधी

राकेश कुमार गांधी सहारनपुर में सफल खैनी और राजश्री के डिस्ट्रीब्यूटर हैं। उनके सभी भाई भी पान मसाला व टोबैको के कारोबार में ही हैं। मार्केट में इनके पांच प्वाइंट है जिन्हें उनके भाई और रिश्तेदार संचालित करते हैं। राकेश कुमार गांधी ने टोबैको पल्स को बताया कि उनके फोरफादर पाकिस्तान से आये थे। पहले बीड़ी और माचिस का काम था। बाद में पान मसाला के क्षेत्र में आ गये। पान मसाला व टोबैको इंडस्ट्री के रग-रग से वाकिफ राकेश कुमार गांधी ने नये टैक्सेशन के बाद की समस्याओं के बारे में बताते हुए कहा कि ब्रांडों की प्रॉपर सप्लाई अभी भी नहीं हो पा रही है जिससे मार्केट में शॉर्टेज चल रहा है।

यहां तक कि अभी हाल ही में लांच हुए गगन व राजश्री की भी सप्लाई सुचारू नहीं है। राजश्री यहां पांच रुपये की एमआरपी में लांच हुआ है। पाउच में मसाले की क्वांटिटी 2.4 ग्राम है जबकि इसी कंपनी के प्रमुख उत्पाद कमला पसंद की क्वांटिटी दो ग्राम है। मार्केट में ब्रांडों की पोजिशन के बारे में पूछने पर राकेश जी ने टोबैको प्लस को बताया कि नंबर वन पर दिलबाग की बिक्री है। कमला पसंद दूसरे नंबर पर और बाहुबली तीसरे तथा विमल चौथे नंबर पर बिक रहे हैं। शिखर आदि की भी बिक्री ठीकठाक है। खैनी में सफल की बिक्री वन साइडेड है लेकिन इसकी भी सप्लाई कम है। सप्लाई कम होने से कस्टमर परेशान हैं। माउथ फ्रेशनर में अंबाला का उत्पाद टोजो जोरदार चल रहा है। स्वीट सुपारी में स्वीटी का जलवा पहले की ही तरह बरकरार है। दूसरे नंबर पर रोज और तीसरे नंबर पर रितिक की बिक्री है। सरकार से टैक्सेशन प्रक्रिया को सिंपल बनाने की मांग करते हुए राकेश कुमार गांधी ने कहा कि कारोबारी नंबर वन में काम करना चाहते हैं लेकिन टैक्सेशन की प्रक्रिया इतनी उलझी हुई है जिससे परेशानी हो रही है। सरकार को इसे सिंपल करना चाहिए।

SNKR
SINCE 1947
धूम धूम धड़ाका
चट चट चटाका
SATYA NARAIN
CHATAKA
Jaljeera

एक mitthu से
मन नहीं भरता
HUM-TUM AUR MITTHU
mitthu
मिट्ठू रेंज – पान मजा, ठंडा पान, माउथ फ्रेशनर व मीठी सुपारी ₹1 और ₹5 में उपलब्ध हैं। +91 7704034567 | +91 7309199669

सुमित गांधी के पास कई बीड़ी ब्रांडों का काम

सहारनपुर को टोबैको मार्केट के लिहाज से अच्छा मार्केट माना जाता है। यहां पान मसालों के अलावा बीड़ी व खैनी की भी अच्छी डिमांड है। यहां पिछले कई वर्षों से संचालित फर्म गांधी ट्रेडिंग के पास जेपी टोबैको प्राइवेट लिमिटेड के बीड़ी उत्पादों डिलक्स टार्जन व सुपर टार्जन आदि ब्रांडों का काम है। फर्म के मालिक सुमित गांधी ने टोबैको प्लस को बताया कि उनके यहां देहरादुन से लेकर रुड़की और देवबंद तक के ग्राहक आते हैं और माल लेकर जाते हैं।

नई कर प्रणाली लागू होने के बाद मार्केट में माल की शॉर्टेज की बात बताते हुए उन्होंने कहा कि रजनीगंधा व विमल की सप्लाई निर्यामित रूप से है। लेकिन कमला पसंद और विमल की सप्लाई तो हफ्ते दस दिन से लगभग दुरुस्त हो गई है लेकिन अन्य ब्रांडों की सप्लाई में अभी भी भारी व्यवधान चल रहा है। ब्रांडों की कमी के चलते ग्राहकों के साथ ही रिटेलरों को भी काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। सहारनपुर मार्केट में पान मसालों की स्थिति के बारे में उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से यह मार्केट दिलबाग और कमला पसंद का है। दिलबाग यहां नंबर वन का ब्रांड है। उसकी बिक्री सबसे अधिक है। दूसरे नंबर पर कमला पसंद की बिक्री है। इसी तरह तीसरे नंबर पर बाहुबली और चौथे नंबर पर विमल की सेल चल रही है। शिखर की भी बिक्री बढ़िया चल रही है।

उन्होंने टोबैको प्लस को बताया कि प्रीमियम में रजनीगंधा की बिक्री पहले की ही तरह नंबर वन पर है। सिग्नेचर के बारे में सुमित गांधी ने बताया कि यह भी धीरे-धीरे ग्रोथ कर रहा है। माउथ फ्रेशनर में टोजो मार्केट में छाया हुआ है और खैनी में सफल सबसे अधिक सफल है। इसकी बिक्री नंबर वन पर है। अगर यह कहा जाय कि यह एकतरफा बिकता है तो भी कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। इसके बाद पीली पत्ती हाथी गोला की बिक्री है। यह यहां का लोकल उत्पाद है। कुबेर व गोल्डन भी बिकते हैं लेकिन इनकी डिमांड कम है। देहरादुन साइड में गोल्डन की बिक्री बढ़िया है।

सहारनपुर में विमल की एजेंसी राजेश गांधी के पास

सहारनपुर में विमल की एजेंसी राजेश गांधी के पास है। उनकी फर्म का नाम देवी दित्तामल सुन्दर दास बड़ा नाम है और मै. आरजी एमजी ट्रेडरस भी इनही की फर्म है। वर्तमान में उनकी फर्म के अंडर में पांच-छह डिस्ट्रीब्यूटर काम कर रहे हैं। चूंकि राजेश जी 40-45 साल से इस कारोबार में हैं इसलिए वे इसके ऊंच-नीच से भलीभांति परिचित हैं। सहारनपुर को पान मसाले की दृष्टि से बेहतरीन मार्केट बताते हुए राजेश गांधी ने टोबैको प्लस से कहा कि मूल रूप से यहां पांच रुपये का ही ट्रेंड है। वैसे तो दस रुपये व बड़े पाउच भी मार्केट में हैं लेकिन बिक्री के नजरिए से पांच रुपये की एमआरपी ही हिट है।

नये टैक्सेशन के बाद मार्केट में ब्रांडों की किल्लत की बात बताते हुए उन्होंने टोबैको प्लस से कहा कि एक तरह से मारामारी चल रही है। नंबर एक पर बिकने वाला ब्रांड रजनीगंधा और रेगुलर में विमल को छोड़ कर दिलबाग के आगे कमला पसंद, बाहुबली, शिखर, पान बहार क्रिस्टल आदि सबका शॉर्टेज चल रहा है। विमल की सप्लाई डिमांड के अनुसार पूरी है। कमला पसंद भी धीरे-धीरे आना शुरू हो गया है। विमल पहले 2.8 ग्राम का आता था लेकिन नये टैक्सेशन के बाद घटकर अब मसाले की क्वांटिटी 2.2 ग्राम हो गई है। जोड़ी में चार रुपये का मसाला और दो रुपये का जर्दा है लेकिन पांच रुपये में ही बिक रहा है। बहरहाल, विमल व रजनीगंधा को छोड़कर अच्छे अच्छे ब्रांडों तक की सप्लाई अभी प्रॉपर तरीके से नहीं हो पा रही है।

कमला पसंद की भी सप्लाई अभी हाल ही से होनी शुरू हुई है। उन्होंने बिक्री के लिहाज से मार्केट में पान मसालों की पोजिशन के बारे में बताया कि नंबर एक पर कमला पसंद और दिलबाग की बिक्री है। दोनों की सेल में बस उन्नीस-बीस का ही फर्क है। कहीं कमला पसंद नंबर वन है तो किसी इलाके में दिलबाग ने अपना वर्चस्व बना रखा है। इसके बाद बाहुबली और विमल की बिक्री है। शिखर भी लगातार इंप्रूव कर रहा है। प्रीमियम में रजनीगंधा की पोजिशन सबसे ऊंचे पायदान पर है। स्वीट सुपारी में दो रुपये की एमआरपी में स्वीटी की बिक्री एकतरफा है। इसके बाद रोज और रितिक की बिक्री है। खैनी में सफल की पोजिशन नंबर एक पर है। इसके बाद लोकल उत्पाद हाथी गोला की बिक्री है। फिल्टर खैनी में चैनी और कूललिप्स डिमांड में हैं।

स्टैंडर्ड पान शॉप की नजर में अलीगढ़ मार्केट

75 साल पुरानी विरासत, शुद्धता पर अडिग भरोसा और बदलते बाजार के बीच संघर्ष अलीगढ़ की स्टैंडर्ड पान शॉप से सामने आई पान उद्योग की जमीनी हकीकत।

अलीगढ़ के सिविल लाइन अवस्थित 75 साल पुरानी पान दुकान स्टैंडर्ड पान शॉप न केवल शहर में बल्कि आसपास के इलाकों तक में मशहूर है। पान शॉप के वर्तमान मालिक मनोज अग्रवाल खुद 42 साल से इस शॉप को चला रहे हैं। उन्होंने टोबैको प्लस को बताया कि इस पान शॉप की शुरुआत उनके पिताजी ने की थी। पान उद्योग की नस नस से वाकिफ स्टैंडर्ड पान शॉप के मालिक मनोज जी ने बताया कि पान मसालों के आने से पान की बिक्री में भारी गिरावट आई है। पान का रॉ मैटेरियल बहुत महंगा हो गया है। चूंकि ओरिजनल इंग्रीडिएंट का ही बीड़ों में वे इस्तेमाल करते हैं इसलिए मुनाफा बहुत घट गया है।

"मुनाफा कम हो सकता है, लेकिन क्वालिटी से कोई समझौता नहीं यही हमारी पहचान है।"

शुद्धता की गारंटी के कारण अभी भी स्टैंडर्ड पान शॉप की साख बनी हुई है। यहां का मीठा पान बहुत फेमस है। बीड़ों की कीमत 20 रुपये से लेकर 150 रुपये तक है। बीड़ों में इस्तेमाल होने वाला कत्था खुद अपने हाथ से बनाते हैं। गुलकंद भी जयपुर से मंगाते हैं। चूना भी होममेड है। सभी मसाले भी खुद तैयार करते हैं। उनका कहना है कि फायदा कम हो लेकिन क्वालिटी से कोई समझौता नहीं। यही वजह है कि काफी दूर दूर से लोग आते हैं। दुबई-अमेरिका तक बीड़े पैक कराके लोग ले जाते हैं। शादी व्याह में स्टाल नहीं लगाते हैं। पैकिंग सप्लाई करते हैं। उनके अनुसार पूरे देश की तरह अलीगढ़ भी पान मसाला का अच्छा मार्केट है। हालांकि शॉर्टेज का मार्केट पर काफी फर्क पड़ा है। जो कस्टमर पहले चार खाता था वह दो पर आ गया है। थोड़ा महंगा भी हो गया है और मसाले की क्वांटिटी भी कम हो गई है। वैसे यहां प्रीमियम में रजनीगंधा का दबदबा है। डायरेक्टर भी है लेकिन उसे सफलता पाने के लिए थोड़ा धैर्य रखना होगा। रेगुलर में यहां गोल्डमोहर, तानसेन, दिलबाग, विमल और शिखर आदि चलते हैं। स्वीट सुपारी में रितिक, चंचल और स्वीटी मुनी की बिक्री सबसे अधिक है जबकि खैनी में सफल, चार चांदछाप और कुबेर सबसे अधिक बिकते हैं। स्टैंडर्ड पान शॉप के संचालक ने ज़र्दा मार्केट के बारे में बताया कि पान में तुलसी, रश्मी 95, बाबा 120, रत्ना 64 और रवि की डिमांड है। इलायची में डीएस की पर्ल्स व बाबा की इलायची बिकती है। माउथ फ्रेशनर में पासपास व पल्स कैंडी की बिक्री है। बाबा ब्लैक भी अच्छी चल रही है। चटनी में बाबा की साधना, दिलबहार, नौरतन, गोपाल की दिलखुश, मिनाक्षी और केटीसी की फ्लेवर चटनियों की बिक्री है। इसके अलावा पान फ्लेवर मैटेरियल में चमन बहार बहुत बढ़िया चल रहा है।

100%

ESTD. 1900

Export Oriented Unit ...

Mohd. Furqan

Mohd. Huzaifa

Mfg. of Indian Perfumes, Exporters & Importers

Our World Famous Attars

- Tayyab Shamama • Mushk Amber • Ruh Gulab • Ruh Keora • Ruh Motia • Ruh Khus
- Gutkha Compound • Zafrani Zarda Compound • Pan Masala Compound

Mohd. Yasin Mohd. Yamin (India)
Ahmadi Tola, Kannauj-209725 (UP) India

Partner:
- **Muhammed Furqan**
- **Muhammed Farhan**
- **Muhammed Huzaifa**

Ideal Perfume Center
Ahmadi Tola, Kannauj-209725 (UP) India
Tel./Fax: +91 5694 234113
Mobile:
09839208298 / 9999978064
E-mail:
furqan.india98@gmail.com

Ramashankar Lakshminarayan & Bros.
Email: rslnmails@rediffmail.com

For trade Enquiry: 0542-2222711

CELEBRATING 25 Years
गगन
पान मसाला
स्वाद ऐसा जो
दीवाना बना दे...
NO TOBACCO, NO NICOTINE
CELEBRATING 25 YEARS
GAGAN
PAN MASALA
MAHA PACK
GAGAN
STRONG
CELEBRATING 25 YEARS
PAN MASALA
MFD BY: GREENSWORTH ENTERPRISES PVT. LTD.
CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH

ASSAM TRADING & FRAGRANCES

TRUST OF '5' GENERATIONS

One stop solution for your all perfumery needs...

Major Expertise | Compounds of Tobacco, Pan Masala, Gutkha, Zafrani Zarda, Sweet Supari, Agarbatti Co.

Fragrances for | Cosmetics, Home Care & Personal Care Products

Manufacturers & Suppliers of
- All Type of Pthalate Free Attars with Food Grade Base, Essential Oil & Herbs.
- All top Multinational and Domestic Companies (Compounds & Aroma Chemicals).

Stockist & Supplier of

Keva, Firmenich, IFF, charabot, Givaudan, Rhodia, symrise, Biolandes, kao, plant lipids, Organica Aromatics, BASF, Dow, KalpSutra, indesso, DRT-Anthea, AARAV, Van Aroma, LANXESS, TAKASAGO

Mobile: +91-9415147119 (Mohd Akbar); +91-9415333574, 9936477736(Mohd. Sohail) I Email: atf1997.98@gmail.com

Office Address: Bada Bazar, Kannauj-209725 (U.P.) I Factory & Godown: Qazi Tola, Kannauj-209725 (U.P.)

Manufacturers & Seller's of All kinds of Indian Attars, Perfumery

Specialist for Setting of Gutkha & Zafrani Patti, Compounds for Tobacco, Gutkha, Pan Masala, Sweet Supari, Mouth Freshner, Zafrani Patti, Bukka & Redimade Khaini, Agarbatti Powder, Muttha & Soap Detergent etc.

VIVEK KUMAR GUPTA
MOB: 08299837391

तम्बाकू, पान मसाला, कास्मेटिक प्रोडक्ट को तैयार कराने में पारंगत

ADITYA PERFUMER'S

Near Police Chowki, Makrand Nagar, Kannauj.

Mobile: 9651759786

Sweety
BY
MR
GROUP
INDIA'S MOUTH FRESHNER FAVOURITE
Mithaas jo apno ko kareeb laye...
SHAHI SAUNF
Sweety Supari
Sweety MOUTH FRESHENERS
SHRI SURESH CHAND AGARWAL MEMORIAL TRUST
WINGSTON
Mathura / Goverdhan / Barsana
Shri Girraj Supari Traders LLP
info@mrgroup.co.in
www.facebook.com/sweetybymrgroup
instagram.com/sweetybymrgroup
www.mrgroup.co.in
STATUTORY WARNING : CHEWING OF SUPARI IS INJURIOUS TO HEALTH
bijanads.com

SH. MD. ILYAS YAQUB & CO.
EXPORTERS & IMPORTERS
Specialist:
Hina
Shamama
Kewra
Gulab
Motia
Khus
Najmul Islam (Munnu)
Mob.: 09415124570 I Res.: 234252, 236101
Mohalla - Bhatpuri, Kannauj-209725

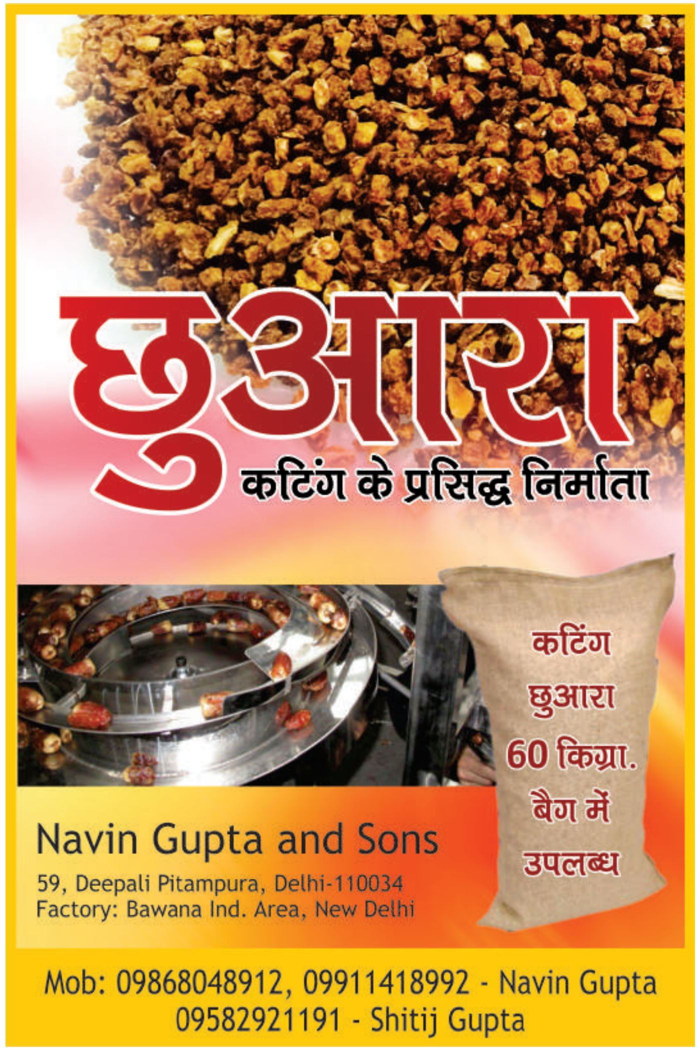
छुआरा
कटिंग के प्रसिद्ध निर्माता
कटिंग
छुआरा
60 किग्रा.
बैग में
उपलब्ध
Navin Gupta and Sons
59, Deepali Pitampura, Delhi-110034
Factory: Bawana Ind. Area, New Delhi
Mob: 09868048912, 09911418992 - Navin Gupta
09582921191 - Shitij Gupta

सोच नई...
पसन्द नई!
JK
JK Special Pan Chatni
www.jjkzarda.com
BUSINESS ENQUIRIES WELCOMED.
Message or WhatsApp on: +91 7503933333 ; 9971681839
JJK ZARDA PAN PRODUCTS, D-137, Sector 63, Noida-201307 (UP) India

एल.के.एस. प्रोडक्ट्स की खास प्रस्तुति

दमदार स्वाद में

FOR TRADE ENQUIRY: **76696 77333 ; 87562 41425**

EMAIL: **info@varansiashik.com** | WEBSITE: **www.varansiashik.com**

सतारा का पॉकेट फ्रेंडली

बुआ पान शॉप

स

स्थायी रूप से 2017 में दुकान लेकर इस नये पान शॉप की नींव रखी गई। देखते ही देखते बुआ पान की पाँच शॉप पूरे सतारा में अपने पॉकेट फ्रेंडली क्वालिटी वाले बीड़ों के लिए मशहूर है।

तारा स्थित बुआ पान शॉप ने बेहद कम समय में ही अच्छी लोकप्रियता हासिल की है। यह पान शॉप बिल्कुल ही पॉकेट फ्रेंडली है। बीड़ों की कीमत 25 रुपये से तीस रुपये के बीच में है। वैसे तो यहां मौजूदा समय में दर्जन भर से अधिक बीड़ों की वेरायटियां मौजूद हैं। इनमें मसाला पान, चाकलेट पान और चुस्की पान सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं। ये बीड़े इतने लाजवाब होते हैं कि लोग दूर दूर से खींचे चले आते हैं। इस पान शॉप का खुद का ईजाद किया हुआ स्पेशल बीड़ा चुस्की पान है।

पान शॉप के संचालक दत्तात्रेय कृषनाथ सलूनथे ने टोबैको प्लस को बताया कि इस बीड़े की ईजाद उनके भाई ने की है। इस बीड़े को गुलकंद व पान के रस से तैयार किया जाता है। उन्होंने इसकी विधि बताते हुए टोबैको प्लस को कहा कि गुलकंद को पान के रस के साथ अच्छी तरह से रब किया जाता है। अच्छी तरह से घुंटाई हो जाने के बाद इसे फ्रीजर में रखकर जमाया जाता है। ग्राहक इसे मुंह में रखकर चूसते हैं। हर कोई इसका लुत्फ उठा सके इसलिए इसकी कीमत केवल 25 रुपये रखी गई है। इसी तरह चॉकलेट पान की कीमत भी महज 30 रुपये ही है।

इस पान शॉप की शुरुआत के बारे में दत्तात्रेय ने बताया कि पेट्रोल पंप पर काम करने वाले उनके पिताजी ने सन 1997 में पान ठेली से इसकी शुरुआत की। ग्राहकों की भीड़ को देखते हुए कुछ ही साल में ठेली छोटी पड़ने लगी तो उनके पिताजी ने बड़ी ठेली ली। बाद में स्थायी रूप से 2017 में दुकान लेकर इस नये पान शॉप की नींव रखी गई। देखते ही देखते बुआ पान की पाँच शॉप पूरे सतारा में अपने पॉकेट फ्रेंडली क्वालिटी वाले बीड़ों के लिए मशहूर है। आज की तारीख में दुकान खुलने से लेकर बंद होने तक ग्राहकों का तांता लगा रहता है। बुआ पान शॉप सुबह 9 बजे से रात के साढ़े दस बजे तक खुली रहती है। यहां पूरे शहर से ग्राहक आते हैं। खासकर रात में खाना खाने के बाद ग्राहक यहां के बीड़े खाना पसंद करते हैं। दत्तात्रेय ने बताया कि पहले पान व पान मसाला के साथ ही मावा भी बिकता था लेकिन 2012 में महाराष्ट्र में पान मसाले व तंबाकू बैन होने के बाद मावा का चलन बढ़ा है। अब कश्मीरी सुगंध वाले मावा की बिक्री होती है। इनके यहां से शादी ब्याह में स्टाल न लगाकर बीड़े पैक कर सप्लाई होती है।

पहले की तुलना में पान की बिक्री कम हुई है और इसका प्रभाव पान दुकानदारों पर पड़ा है लेकिन बुआ पान शॉप पर कस्टमरों की भीड़ बताती है कि अभी भी पान के शौकीन भारी मात्रा में हैं। बस पान लगानी आनी चाहिए। दत्तात्रेय ने बताया कि उनके पास काफी अच्छे-अच्छे कस्टमर हैं। यहां मीठे पान की बहुत बढ़िया बिक्री होती है। वे अपने बीड़ों में साधना, मिनाक्षी सैफ्रॉन और केटीसी की फ्लेवर पान चटनियां इस्तेमाल करते हैं। डिमांड पर बाबा का 90 नंबर किवाम भी बीड़ों में डाला जाता है। पान शॉप के एक्सटेंशन की सोच रहे दत्तात्रेय ने बताया कि उनका एक पान शॉप पुणे में भी खोलने की है। मावा में स्वीटनेस के लिए कश्मीरी सुगंध का यूज सतारा में खूब किया जाता है।

उन्होंने टोबैको प्लस को बताया कि उनके दुकान पर क्वालिटी के स्तर पर कोई समझौता नहीं किया जाता है। मुनाफा मिले या नहीं सभी सामग्रियां उच्च कोटि की इस्तेमाल होती हैं। बीड़ों में इस्तेमाल होने वाले कत्था, चूना, सुपारी व अन्य घटक सभी उत्तम क्वालिटी के होते हैं। वे अपने बीड़ों में कुछ खास किस्म के फ्लेवर डालते हैं, जिससे उनका मजा काफी बढ़ जाता है। इनके बीड़े जितने लजीज होते हैं, उतने ही सुंदर भी दिखते हैं। बुआ पान के बीड़ों की खास बात यह है कि इसे देखते ही खाने को मन करता है। जिसने भी एक बार खाया वह दोबारा जरूर आता है।

अपनी शुरुआत से ही बुआ पान शॉप ने क्वालिटी को सबसे ज्यादा तवज्जो दिया। यही कारण है कि यह दिनों-दिन लोकप्रिय होता गया। वे अपने बीड़ों की लज्जत को लेकर सदैव सतर्क व सजग रहते हैं। इसी सजगता व सतर्कता का नतीजा है कि पूरे सतारा शहर में बुआ पान शॉप का अपना अलग ही स्वैग है। आज तक कोई भी ग्राहक इनकी दुकान से नाराज हो कर नहीं गया। नियमित ग्राहकों के साथ इनका रवैया काफी दोस्ताना होता है। इस दुकान की लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि तमाम लोग अपने परिवार के साथ यहां पान खाने आते हैं। कई लोग पैकिंग कराके अपने घर भी ले जाते हैं। पैकिंग इस तरह की होती है कि बीड़े कई-कई घंटे तक सुरक्षित रहते हैं और उनका स्वाद भी जस का तस बना रहता है।

Mr. Dattatray Krishnath Salunthe
M/s. BUVA PAAN SHOP
24, Suyog Colony, Shahupuri,
Satara-415002 Maharashtra
Mob.: 9960737770

"Bunty Babli" Trade Mark Reg. No.: 1572223
Bunty Babli
SUPARI
40 POUCHES INSIDE
बंटी बबली
सुपारी
हनी बनी
मीठा स्वाद
माउथ फ्रेशनर
हनी बनी
माउथ फ्रेशनर
KOHINOOR®
Gulkand
मीठे पान का
असली जायका
KOHINOOR
Gulkand
औषधीय गुणों से भरपूर तह्या
नगरी पुष्कर के उत्तम
गुलाब के फूलों से निर्मित
KOHINOOR
Gulkand
कोहिनूर
गुलकन्द
KOHINOOR
Gulkand
Mfg.By:
नटराज®
NFP Natraj Food Products
Boraj, Foy Sagar Road, Ajmer- 305004 (Raj.)
व्यापारिक पुछताछ के लिए सम्पर्क करें।
Land Line : 0145-2603535
Mob. No. : +919529703535
website- www.natrajfoodproducts.com
e-mail- info@natrajfoodproducts.com

PATHAK

PERFUMERS

THE NAME OF FRAGRANCE SINCE 1911

MANUFACTURER OF INDIAN ATTARS & ESSENTIAL OILS:

Attar

Kewra, Gulab, Motia,
Gul Hina, Mitti

Ruh

Kewra, Gulab, Motia, Khus, Pan

Essential Oils

Sandalwood Oil, Nagar
Motha Oil, Sugandh Mantri Oil,
Jatamasi Oil, Kapoor Kachri Oil,
Patcholi, Cardamom Oil Etc.

KUSHAGRA PATHAK

WE ARE SPECIALIST IN HINA & SHAMAMA ATTAR

Regd. Add. : Moh. Pathkana, Kannauj - 209725 (U.P)

Postal Add. : Kushagra Pathak, 101, Sudha Residency, 9/2 Allen Ganj, Kanpur-208001

Ring at :

Kushagra Pathak : 09838938955, Vaibhav Pathak : 8127900000

E-mail : Social info.: pathakkushagra@gmail.com ; What's app : 7755804040

MEENAKSHI
SAFFRON BLENDED
PAN CHATNI
पान शॉप

बुआ पान शॉप का मशहूर चुस्की पान

Mr. Dattatray Krishnath Salunthe
M/s. BUVA PAAN SHOP
24, Suyog Colony, Shahupuri,
Satara-415002 Maharashtra
Mob.: 9960737770

सतारा का बुआ पान शॉप एकदम से पॉकेट फ्रेंडली है। यूं तो यहां बीड़ों की दर्जनों वेरायटी है लेकिन कोई भी बीड़ा 30 रुपये से अधिक का नहीं है। सभी बीड़ों की कीमत 25 रुपये से तीस रुपये के बीच में है। चाहे वह मसाला पान हो या चाकलेट पान अथवा इस पान शॉप का अपना स्पेशल बीड़ा चुस्की पान हो। चुस्की पान सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं। यह बीड़ा बुआ पान शॉप का खुद का ईजाद किया हुआ है। यह बीड़ा गुलकंद व पान के रस से तैयार किया जाता है। पहले गुलकंद को पान के रस के साथ अच्छी तरह से रब किया जाता है। अच्छी तरह से रब हो जाने के बाद इसे फ्रीजर में रखकर जमाया जाता है। इसे मुंह में रखकर चूसकर खाया जाता है।

इस पान शॉप के संचालक दत्तात्रेय हैं। उन्होंने टोबैको प्लस को बताया कि उनके यहां पूरे शहर से ग्राहक आते हैं। खासकर रात में खाना खाने के बाद ग्राहक यहां के बीड़े खाने परिवार के साथ आते हैं। उनके अनुसार पहले की तुलना में पान की बिक्री कम हुई है और इसका प्रभाव पान दुकानदारों पर पड़ा है लेकिन बुआ पान शॉप पर कस्टमरों में कोई कमी नहीं आई है। यहां मीठे पान की बहुत बढ़िया बिक्री होती है। वे अपने बीड़ों में साधना, मिनाक्षी सैफ्रॉन और केटीसी की फ्लेवर पान चटनियां इस्तेमाल करते हैं। डिमांड पर बाबा का 90 नंबर किवाम भी बीड़ों में डाला जाता है।

दत्तात्रेय ने बताया कि उनकी पाँच पान शॉप सातारा में है। वहां पान के अलावा मावा भी खूब बिकता है। मावा में स्वीटनेस के लिए कश्मीरी सुगंध का यूज किया जाता है। उनके दुकान पर क्वालिटी के स्तर पर कोई समझौता नहीं किया जाता है। मुनाफा मिले या नहीं सभी सामग्रियां उच्च कोटि की ही इस्तेमाल होती हैं। इनके बीड़े जितने लजीज होते हैं, उतने ही सुंदर भी दिखते हैं। बुआ पान के बीड़ों को जिसने भी एक बार खाया वह दोबारा जरूर आता है। आज तक कोई भी ग्राहक इनकी दुकान से नाराज हो कर नहीं गया। नियमित ग्राहकों के साथ इनका रवैया काफी दोस्ताना होता है। अगर आप भी कभी सतारा जायें तो एक बार इस पान शॉप के बीड़ों का रसास्वादन जरूर करें।

शानदार पान की पहचान

MEENAKSHI
SAFFRON BLENDED
PAN CHATNI

Now available in new PET bottle

For trade enquiry
Fax : 011-23944479

Swad Ka..
Asli Hira.!
Hira
PAN MASALA
BLEND OF KESAR & ELAICHI
0% TOBACCO, 0% NICOTINE
CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH NOT FOR MINORS
FOR TRADE ENQUIRY : Contact : 70379 85163 Email : packersvk4@gmail.com
30th
CELEBRATING 30 YEARS OF HIRA.!

DHARAMPAL PREMCHAND LIMITED

BABA®
1929
NAURATAN®
PAN MASALA

Andaz Jo Rivaaz Ban Jaaye

CHEWING OF PAN MASALA IS INJURIOUS TO HEALTH.
Dharampal Premchand Ltd | Ph: 1800-180-1929 (Toll Free) | Email: feedback@baba.in | Website: www.baba.in

NO TOBACCO NICOTINE